सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 25 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 25 फरवरी, 2022
मूल्य ₹ 3/-

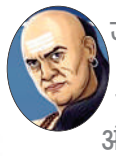

जो व्यक्ति जीवन में समय का ध्यान नहीं रखता है, उसके साथ असफलता और पछतावा ही लगता है।
-चाणक्य

यूक्रेन सीमा पर फंसे भारतीयों के... 8 | अमेठी में अपना सियासी जनाधार... 3 | जनता का एक-एक वोट गुंडों की... 7

अब यूपी के चुनावी रण में उतरीं डिंपल और जया, भाजपा पर बोला हमला

पांच वर्षों में महिलाओं पर हुए बड़े जुल्म, अपने गिरेबां में झांके भाजपा

» सिराथू की जनसभा में पूर्व सांसद ने सपा को वोट देने की अपील की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। पांचवें चरण के चुनाव से पहले सपा प्रमुख अखिलेश यादव की पत्नी और पूर्व सांसद डिंपल यादव ने मोर्चा संभाल लिया है। सपा प्रत्याशियों के समर्थन में पूर्व सांसद डिंपल यादव व सांसद जया बच्चन आज कौशांबी जनपद पहुंचीं और सिराथू में जनसभा कर भाजपा पर जमकर हमला बोला।

पूर्व सांसद डिंपल यादव ने कहा कि यह चुनाव महत्वपूर्ण है। हवा बदल गई है, माहौल बदल गया है। सिराथू में तीन बहुएं एक साथ आयी हैं। सिराथू की बहू पल्लवी पटेल, इलाहाबाद की बहू जया बच्चन और यूपी की बहू डिंपल यादव। सिराथू के बेटे ने धोखा दिया है उसे अब बहू को मौका देना चाहिए। इन्हें पता है परिवार क्या होता है, परिवार का दर्द क्या होता है। केशव को स्टूल मंत्री बताते हुए उन्होंने कहा कि सिराथू के आत्म सम्मान बचाने का समय है। जो मंत्री सपा के कार्यकर्ताओं को गुंडा और शासन में गुंडागर्दी की बात करते हैं, वह जरा देखें कि उन पर कितने मुकदमे दर्ज हैं। मुख्यमंत्री योगी पर भी तंज कसते हुए कहा, पांच साल के शासन में आपने देखा होगा कि यह पहले मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने अपने और अपने ही मंत्रियों के मुकदमे हटाए हैं। ऐसा पहले किसी भी शासनकाल में नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि जो दूसरों पर ऐसे आरोप लगा रहे हैं वह पहले अपने गिराबां में झांककर देखें। पल्लवी ही सिराथू को पल्लवित करने का काम करेंगी। डिंपल यादव ने कहा कि आप ऐसी सरकार को चुनिये जो महिला सुरक्षा पर काम करेगी। युवाओं को रोजगार देगी। महिला अपराधों में पांच सालों में बढ़ोतरी हुई है। यह एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं। क्या जनता हाथरस की घटना भूल जाएंगी? उसका अंतिम संस्कार तक नहीं करने दिया गया। वहीं उन्नाव की बेटी के साथ जो हुआ उसे भी नहीं भूला जा सकता है। उसके पिता को जेल में मार डाला गया। ऐसी जुल्मी सरकार को हटाने का समय आ गया है। यह पल्लवी का ही चुनाव नहीं है, मेरा चुनाव है, आपका चुनाव है। भगवा रंग को लेकर भी सरकार को घेरते हुए कहा कि मौजूदा डबल इंजन की सरकार के इंजन को जंक लग गया है, क्योंकि उसका भी रंग वैसा ही होता है।

जुल्मी सरकार को हटाने का आ गया है समय योगी और केशव मौर्य रहे निशाने पर

जिसने परिवार त्याग दिया वह परिवार को क्या जानेः जया

सपा सांसद जया बच्चन ने कहा कि भाजपा के मुख्यमंत्री परिवार के बारे में क्या जानेंगे। उन्होंने तो परिवार त्याग दिया है। वे क्या जानेंगे कि बहू-बेटी क्या होती है। भाजपा के लोग झूठ के अलावा कुछ भी नहीं बोलते हैं। महिलाओं के लिए सपा हमेशा लड़ती रही है। ये सिर्फ फेंकते हैं काम कुछ भी नहीं करते हैं। ये पिछले पांच साल से देख रहे हैं। ये अखिलेश यादव के काम को देखकर खुश हो रहे हैं और फीता काट रहे हैं। जनता के पास इनको बदलने की ताकत है। इस दौरान जया बच्चन ने यूपी का लाल कविता सुनायी। उन्होंने कहा कि प्रयागराज मेरी ससुराल है। सपा को बहुमत से जिताएं।

मठ जाने वाले हैं बाबा मुख्यमंत्री : अखिलेश

बहराइच। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बहराइच के पयागपुर विधान सभा में जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा पर चुन-चुनकर वार किए। उन्होंने कहा कि बीजेपी वाले लोग कैसे हो गए हैं। जो मैदान में खिसिया जाता है, वो घटिया बयान देता है। पहलवान हारने लगता है तो क्या करता है? यह लोग हार गए हैं। यह सरकार जाने वाली है। बाबा जी मठ जाने वाले हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं के बयान सुन लिए होंगे। जनता ने जिनकी कर दी खटिया खड़ी, उनके बयान हो गए घटिया। यहां के लोगों ने मन बना लिया है कि अब कोई भी यहां से जीतने वाला नहीं है। आपके पड़ोसी जिले में एक मंत्री पुत्र किसानों पर गाड़ी चढ़ाकर कुचल दिया। विधायक पुत्र गोली चला रहा है। भाजपा का जितना बड़ा नेता है उतना बड़ा झूठ बोल रहा है। सपा गठबंधन डबल शतक लगा चुका है। पांचवें चरण में भाजपा का सफाया हो जाएगा। मैं बाबा मुख्यमंत्री के आवास पर नजर रख रहा हूं। वहां से धुआं उड़ता नजर आ रहा है। अभी दो-तीन पहले देख रहा था कि पुताई वाले लोग मुख्यमंत्री आवास में जा रहे थे। हमने जानकारी करवाई तो पता लगा कि धुएं के दाग को मिटाने जा रहे हैं। बताओ बाबा जी जा रहे है कि नहीं जा रहे?

प्रियंका पहुंचीं प्रयागराज, रोड शो में दिखा समर्थकों का उत्साह

» डोर-टू-डोर जनसंपर्क भी किया कांग्रेस महासचिव ने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के रोड शो में समर्थकों में गजब का उत्साह नजर आया। प्रयागराज की जिन सड़कों से होकर प्रियंका का वाहन निकल रहा था, उसके दोनों तरफ भीड़ जुटी थी तो लोगों ने घरों की छतों से भी फूल बरसाए। प्रियंका भी मुस्कुराते हुए सभी का अभिवादन किया। समर्थकों का अभिवादन करते समय कभी वे हाथ हिलाती थीं तो कभी हाथ जोड़ लेतीं। उनके समर्थन में नारेबाजी भी खूब हुई।

प्रियंका आज सुबह प्रयागराज एयरपोर्ट पहुंचीं। वहां से सड़क मार्ग से इलाहाबाद पश्चिमी विधान सभा क्षेत्र से होते हुए आनंद भवन स्थित स्वराज भवन पहुंचीं। वहां कुछ देर विश्राम करने के बाद इलाहाबाद उत्तरी विधान सभा क्षेत्र में रोड शो शुरू हुआ। प्रियंका के रोड शो के दौरान छतों से फूल बरसाए जा रहे थे। गुलाबी बैंड भी लड़कियों की तरफ फेंके गए। कांग्रेस प्रयागराज महानगर अध्यक्ष प्रदीप मिश्र अंशुमन के घर के सामने प्रियंका वाड्रा का काफिला कुछ सेकेंड के लिए रुका। वहां अभिवादन करने के बाद रोड शो का वाहन आगे रवाना हुआ। रोड शो में उनके साथ वाहन पर इलाहाबाद उत्तरी विधान सभा सीट के प्रत्याशी अनुग्रह नारायण सिंह भी मौजूद थे। प्रियंका ने रोड शो के बाद डोर-टू डोर जनसंपर्क किया।

घरों की छतों से बरसाए गए फूल कई इलाकों से गुजरा रोड शो

योगी सरकार ने कसी माफियाओं पर नकेल : अमित शाह

» प्रदेश में भाजपा ने स्थापित किया कानून का राज

» केंद्रीय गृह मंत्री ने सपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बहराइच। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कैसरगंज व केडीसी में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभाएं कीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब बाहुबली नहीं बजरंगबली दिखते हैं। अखिलेश कमजोर गेंदबाज हैं, फुलटास बाल डाल दी है। अब भाजपा के जीत का चौका लगने की बारी है।

शहर के किसान डिग्री कालेज (केडीसी) में सदर से भाजपा प्रत्याशी अनुपमा जायसवाल, कैसरगंज के देवलखा के निकट भाजपा प्रत्याशी गौरव वर्मा के पक्ष में आयोजित जनसभा में उन्होंने कहा कि योगी सरकार ने माफियाओं पर नकेल कस दी है। आजम, मुख्तार व अतीक जैसे तुर्रम खां जेल में हैं। अखिलेश अगर सरकार में आ गए तो प्रदेश से कानून का राज समाप्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत की सीमा पर कोई आंख उठा कर नहीं देख सकता। पहले जवानों के सिर काट लिए जाते थे, अब पाक के घर में घुसकर मारा जाता है। उन्होंने कहा कि चौथे चरण तक सपा-बसपा का सूपड़ा साफ हो गया है। पांचवें चरण में आप सभी को मजबूत इमारत बनानी है। शाह ने कहा कि दो हजार करोड़ की जमीन माफियाओं ने यूपी में कब्जा कर रखी थी। इसे सीएम ने खाली कराकर गरीबों को आवास बनाकर दिए।

महाराजा सुहेलदेव का नाम लेते हुए उन्होंने कहा कि यूपी में दस लाख करोड़ के निवेश की योजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बना ली है। भाजपा सरकार बनने पर निषादराज को नाव खरीदने पर सरकार चालीस फीसदी मदद देगी। किसानों को पांच साल तक बिजली मुफ्त दी जाएगी। उन्होंने कहा कि पहले सिर्फ योजनाओं के पत्थर लगाए जाते थे। सरयू नहर परियोजना को नेहरू ने शुरू किया जबकि पीएम नरेन्द्र मोदी ने पूरा किया। लालबहादुर शास्त्री ने केन-बेतवा का पत्थर लगवाया था। इसे भी 44 हजार करोड़ देकर पूरा किया गया। उन्होंने कहा कि पहले यूपी में कट्टे व छर्रे बनते थे। अब डिफेंस कारीडोर होने के बाद गोला बन रहा है, जो पाकिस्तान में गिरेगा। तमंचे की जगह ब्रह्मोस मिसाइल बनेगी, जो दुश्मनों को नेस्तानाबूद कर देगी। मेगा लेदर पार्क में जाटव समाज की भागीदारी होगी और यहां के जूते-चप्पल देश व विदेश में पहचान बनाएंगे। गृह मंत्री ने कहा कि एक आईटी पार्क बनाने के साथ 30 हजार करोड़ रुपये से मेगा वाटर पार्क यूपी में बनाया जाएगा। अनुसूचित जाति व जनजाति के छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए पूरी फीस माफ रहेगी।

पहले यूपी में बनते थे तमंचे, अब बनेगी मिसाइल

यूपी चुनाव में गूंजा यूक्रेन-रूस युद्ध का मुद्दा

जयंत बोले, बढ़ेंगे डीजल-पेट्रोल के दाम

» नये बन रहे संसद भवन के खर्च को बताया व्यर्थ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूक्रेन और रूस में जंग छिड़ चुकी है। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में भी इसकी गूंज सुनाई देने लगी है। अब राष्ट्रीय लोक दल के प्रमुख जयंत चौधरी ने इस युद्ध को लेकर भविष्यवाणी की है।

उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद डीजल-पेट्रोल की कीमतों में एक झटके में 10 रुपए प्रति लीटर का इजाफा होगा। जयंत चौधरी ने मोदी सरकार को खर्च पर लगाम लगाने की सलाह देते हुए कहा कि तेल पर टैक्स की कटौती करनी पड़ेगी। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा कि, उत्तर प्रदेश के चुनाव के बाद जब पेट्रोल डीजल के भाव सीधा 10 रुपय बढ़ाए जाएंगे तब जो परिस्थिति बनेंगी, उसकी योजना आज बननी चाहिए। मोदी सरकार को तेल पर शुल्क घटाने पड़ेंगे। साथ ही बजट में जो विकास के लक्ष्य रखे हैं, वो संभव नहीं व्यय पर लगाम लगाना आवश्यक है। एक अन्य ट्वीट में जयंत चौधरी ने सेंट्रल विस्टा प्रॉजेक्ट को व्यर्थ का खर्च करार देते हुए सरकार और आरबीआई को हिदायत देते हुए लिखा है कि रूस-यूक्रेन युद्ध और इसका क्रूड और अन्य अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर होने वाले प्रभाव के मद्देनजर आरबीआई को वृद्धि अनुमान, मुद्रास्फीति और ब्याज दरों पर रुख की समीक्षा करनी चाहिए।

भाजपा को बुंदेलखंड में नहीं दिखता पलायन : संजय सिंह

» हिंदू और मुस्लिमों के बीच बढ़ा रही खाई

» चित्रकूट में आप सांसद ने भाजपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चित्रकूट। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि भाजपा के पास रोजगार का कोई विजन नहीं है। बुंदेलखंड में रोजगार न होने से युवा पलायन को मजबूर हैं लेकिन भाजपा को सिर्फ कैराना का पलायन दिखता है। पहले ये पकौड़े से रोजगार देने की बात करते थे और अब गोबर की बात कहकर बहका रहे हैं।

बुंदेलखंड में अन्ना मवेशी बड़ी समस्या बने हैं। वह चित्रकूट विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी संतोषीलाल शुक्ल और मानिकपुर प्रत्याशी अविनाशचंद्र त्रिपाठी के समर्थन में मऊ में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने रोड शो किया। उन्होंने कहा कि भाजपा भड़काऊ भाषण देकर हिंदू-मुस्लिमों के बीच में खाई पैदा कर रही है। प्रदेश में स्कूलों की हालत बहुत खराब है। बच्चों को भोजन, जूते, ड्रेस व अन्य सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। दिल्ली में आप की एकमात्र ऐसी सरकार है। जिसने बढ़ी हुई फीस अभिभावकों को वापस दिलाई। यूपी में कोरोना काल में भी अभिभावकों से फीस वसूली गई और पढ़ाई नहीं हुई। आम आदमी के बैंक में जमा साढ़े 10 लाख करोड़ केंद्र और यूपी की सरकार की सहमति से सरकार के कुछ चंद मित्रों को कर्ज के रूप में दे दिए गए। उन्होंने कहा कि जातिवाद का विरोध आम आदमी पार्टी लगातार कर रही है जबकि भाजपा इसको और बढ़ावा दे रही है।

पीएम ने उद्योगपति दोस्तों को बेच दी सरकारी संपत्ति : प्रियंका

» नोटबंदी से मंदी की कगार पर पहुंच गयी अर्थव्यवस्था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोंडा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व भाजपा पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जिनको आपने बहुत बड़ा बनाया वही आपको गरीब रखना चाहते हैं। लोगों को रोजगार देने के बजाय उन सार्वजनिक उपक्रमों को अपने उद्योगपति दोस्तों को बेच दिया जिनमें रोजगार दिया जा सकता था। प्रियंका गांधी गुरुवार को गौरा विधानसभा क्षेत्र के मसकनवा में पार्टी प्रत्याशी राम प्रताप सिंह के समर्थन में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रही थीं।

उन्होंने कहा कि 12 लाख पद खाली हैं लेकिन सरकार ने उसे भरा नहीं। रेलवे को बेचने की तैयारी भी चल रही थी। सरकारी पद भरे नहीं गये पब्लिक सेक्टर यूनिटें बेच दी गईं। इसके साथ ही छोटे-छोटे दुकानदारों को नुकसान पहुंचाया गया। नोटबंदी व जीएसटी के चलते वह बंदी के कगार पर पहुंच गई हैं। भाजपा की नीति ही आमजन को गरीब ही रखने की है। काले कानूनों का किसानों ने पुरजोर विरोध किया। चुनाव का समय आया तो कानून वापस लिए गए।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

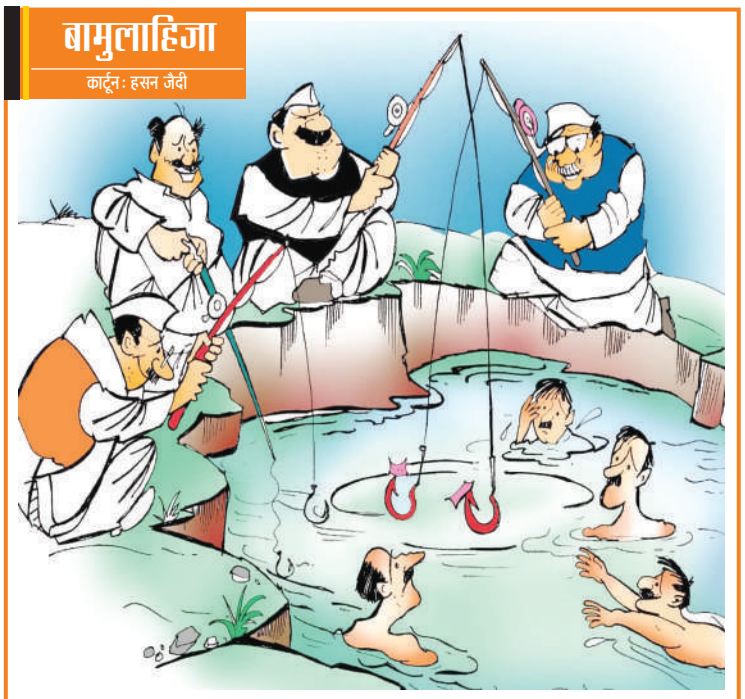

बसपा की सरकार बनी तो नौजवानों को देंगे रोजगार, करेंगे पुरानी पेंशन को बहाल : मायावती

» अपने बूते सरकार बनाने का किया दावा, बीजेपी की बी-टीम बताए जाने पर विपक्ष पर किया हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में यूपी चुनाव पांचवें चरण पर जा पहुंचा है जिसके लिए सभी राजनीतिक दल चुनाव प्रचार में एड़ी चोटी लगाए हुए हैं। वहीं, बीते दिनों कई दल मायावती की पार्टी बहुजन समाजवादी पार्टी को बीजेपी की बी-टीम बता रहे थे जिसपर उन्होंने पलटवार किया है। मायावती ने इसका जवाब देते हुए कहा कि अगर बीएसपी बीजेपी की बी-टीम है तो पहले एसपी और कांग्रेस के साथ मिलकर क्यों चुनाव लड़ा?

मायावती ने बस्ती जनपद में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अगर बीसपी सत्ता में आती है तो लोगों को नौकरियां दी जाएंगी। पूर्व की तरह इस बार भी गरीबों को दो कमरे का मकान दिया जाएगा। किसानों को किसी मामले में निराश नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी सभी सीटों पर अपने बलबूते चुनाव लड़ रही है। उन्होंने कहा कि जिस वक्त से पश्चिमी यूपी के बारे में बीएसपी के दलितों और मुस्लमानों की स्थिति को लेकर गृह मंत्री ने बयान दिया उसके बाद से विरोधी पार्टियां बसपा को बीजेपी की बी-टीम बता रही हैं। उन्होंने कहा कि इस बात में एक प्रतिशत भी सच्चाई नहीं है। अगर ऐसा होता तो बसपा ने पिछले चुनावों में एसपी और कांग्रेस के साथ मिलकर क्यों चुनाव लड़ा? उन्होंने कहा कि हम अपनी पूर्ण बहुमत की सरकार बनने के लिए लड़ रहे हैं। सर्व समाज के लोगों को हमारी पार्टी ने टिकट दिया है। आजादी के बाद केंद्र और राज्यों में ज्यादातर कांग्रेस की सरकार रही। इन पार्टी की सरकार ने बाबा राम भीमराव अंबेडकर को भारत रत्न से सम्मानित नहीं किया। बीजेपी जातिवादी, पूंजीवादी और एजेंडे को लागू करने में लगी है।

अमेठी में अपना सियासी जनाधार पाने को बेताब कांग्रेस, भाजपा से कर पाएगी हिसाब बराबर!

» अमेठी में अभी है भाजपा का कब्जा, आधा चुनाव बीतने के बाद राहुल गांधी की एंट्री

» पांचवें चरण में होगी वोटिंग, प्रियंका लगातार हैं सक्रिय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव में कांग्रेस की सियासी जमीन मजबूत करने में जुटी प्रियंका के सामने अब अमेठी में भाजपा से हिसाब बराबर करने का वक्त आ गया है। गांधी परिवार के गढ़ रहे अमेठी में पूरी तरह से भाजपा का कब्जा है। लोक सभा सीट से लेकर विधान सभा की पांच में से चार सीटों पर भाजपा के विधायक हैं। वहीं अमेठी में अपने खोए सियासी जनाधार को वापस पाने के लिए कांग्रेस बेताब है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी यहां कैंप कर सियासी माहौल को बदलने की कवायद कर रही हैं तो राहुल गांधी आज चुनावी प्रचार में उतरेंगे। राहुल-प्रियंका एक साथ रैली कर कांग्रेस उम्मीदवारों के लिए उम्मीदों का दीया जलाने का प्रयास करेंगे।

अमेठी जनपद की चार और एक रायबरेली की सलोन सीट, अमेठी संसदीय क्षेत्र के तहत ही आती है। इन पांचों सीटों पर पांचवें चरण में 27 फरवरी यानी रविवार को वोटिंग होनी है। ऐसे में प्रियंका गांधी अमेठी में कैंप करके चुनावी धार देने में जुटी हैं तो प्रचार के अंतिम दिन राहुल गांधी उतरेंगे। राहुल-प्रियंका आज एक साथ जगदीशपुर विधान सभा सीट पर चुनावी रैली कर सियासी माहौल बनाएंगे। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इस बार यूपी चुनाव में अभी तक कोई भी रैली को संबोधित नहीं किया जबकि उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में 30 रैलियां की हैं। उत्तर प्रदेश में राहुल ने न ही रोड-शो किया और न ही एक रैली को संबोधित किया है। ऐसे में राहुल गांधी की पहली रैली अमेठी में होने जा रही है, जहां से वो पहले सांसद हुआ करते थे। 2019 का चुनाव हारने के बाद राहुल गांधी का यह दूसरा अमेठी दौरा है। इससे पहले वह ढाई साल के बाद दिसंबर 2021 में जगदीशपुर में ही कांग्रेस की प्रतिज्ञा रैली में शामिल हुए थे। कांग्रेस अमेठी में अपने खोए हुए सियासी जनाधार को दोबारा से हासिल करने के लिए विधान सभा चुनाव में उतरी है। प्रियंका गांधी ने बुधवार को ताबड़तोड़ रोड शो और नुक्कड़ सभाएं कर अमेठी जिले में पार्टी प्रत्याशियों को उम्मीदों की आस जगाने का काम किया है। प्रियंका ने अमेठी, जगदीशपुर, गौरीगंज, जायस, नसीराबाद, सलोन में कांग्रेस उम्मीदवारों के लिए चुनावी प्रचार किया है।

बता दें कि अमेठी इंदिरा गांधी के समय से ही कांग्रेस का मजबूत गढ़ माना जाता रहा है। कांग्रेस भले ही सूबे की 400 सीटों पर चुनाव लड़ रही है लेकिन उसके लिए चुनौती तो रायबरेली और अमेठी जिलों की सीटें हैं। हालांकि पिछले चुनाव में गांधी परिवार के इस किले को बीजेपी भेद चुकी है। यही वजह है कि इस बार के विधान सभा चुनाव में ये सीट काफी दिलचस्प बन गई है।

चार सीट पर भाजपा का कब्जा

अमेठी संसदीय क्षेत्र के तहत अमेठी, गौरीगंज, तिलाई, जगदीशपुर और सलोन विधान सभा सीट आती है। 2017 के चुनाव में गौरीजंग सीट छोड़कर सभी चारों सीटों पर बीजेपी ने कब्जा जमाया था। गौरीगंज सीट सपा को मिली थी जबकि कांग्रेस और बसपा का खाता नहीं खुल सका था। 2017 में अमेठी से राहुल गांधी सांसद थे और सपा के साथ गठबंधन भी कर रखा था पर एक भी सीट पार्टी को नहीं मिली थी। गांधी परिवार का दुर्ग यहीं से दरकरना शुरू हुआ था और 2019 के चुनाव में राहुल को हार का मुंह देखना पड़ा।

बड़ी है चुनौती

2022 विधानसभा चुनाव में सपा, बीजेपी और बसपा की कड़ी चुनौतियों के बीच गांधी परिवार के गढ़ अमेठी में कांग्रेस को जीत दिलाना बड़ा चैलेंज है। अमेठी में बीजेपी के सामने अपनी सीटों को बचाए रखने की चुनौती है तो सपा गौरीगंज सीट पर कब्जा बनाए रखने के साथ-साथ बाकी सीटों पर जीत दर्ज करने की जद्दोजहद कर रही है। कांग्रेस ने अमेठी में सभी चारों सीटों पर नए प्रत्याशी उतारे हैं तो बीजेपी ने अमेठी सीट पर जीत को बरकरार रखने के लिए मौजूदा विधायक गरिमा सिंह की जगह उनके पति डॉ. संजय सिंह को उतारा है जो साढ़े तीन दशक के बाद विधान सभा चुनाव लड़ रहे हैं।

त्रिकोणीय मुकाबला

गांधी परिवार के पुराने दुर्ग अमेठी की सभी सीटों पर मुकाबला त्रिकोणीय होता दिख रहा है। अमेठी सीट पर बीजेपी से डॉ. संजय सिंह मैदान में है तो सपा ने गायत्री प्रजापति की पत्नी को महाराजी देवी को उतारा है। कांग्रेस से अशीष शुक्ला हैं तो बसपा से रागिनी तिवारी मैदान में हैं। तिलोई सीट पर बीजेपी ने मौजूदा विधायक मयंकेश्वर शरण सिंह को उतार रखा है तो सपा से नईम गुर्जर हैं। कांग्रेस ने अपने जिला अध्यक्ष प्रदीप सिंघल पर दांव लगाया तो बसपा से रघुवंश प्रत्याशी हैं। ऐसे में तिलाई सीट पर कांग्रेस, बीजेपी और सपा के बीच कांटे की टक्कर मानी जा रही है। गौरीगंज सीट पर सपा से सिटिंग विधायक राकेश प्रताप सिंह हैं तो बीजेपी से चंद्रप्रकाश मटियारी ताल ठोक रही है। कांग्रेस से फतेह बहादुर मैदान में हैं तो बसपा से ब्राह्मण नेता रामलखन शुक्ल हैं। इस सीट पर बीजेपी और सपा के बीच कांटे की जंग है। जगदीशपुर सुरक्षित सीट पर बीजेपी ने अपने मौजूदा विधायक व मंत्री सुरेश पासी को उतारा है तो कांग्रेस से विजय पासी कड़ी टक्कर दे रहे हैं। बसपा से जितेंद्र कुमार पासी और सपा से विमलेश सरोज चुनाव लड़ रही हैं। सलोन विधान सभा सीट पर बीजेपी से स्व. दलबहादुर कोरी के बेटे अशोक कोरी, सपा से डॉ. जगदीश प्रसाद, कांग्रेस से अर्जुन पासी और बसपा से इंजीनियर स्वाति सिंह पासी हैं।

बा-बा के बाद अब का-का की इंट्री

जिस तरह काका चले गए यानी तीनों कृषि कानून वापस हो गए उसी तरह बाबा भी चले जाएंगे

» विधान सभा चुनाव में रोज गढ़े जा रहे नए फुल फार्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में वर्षों से एमवाई का अर्थ मुस्लिम-यादव ही माना जाता था। इन दो अल्फाबेट से समझ में आ जाता था कि बात समाजवादी पार्टी के परंपरागत वोट बैंक की हो रही है। किन्तु इस चुनाव में एमवाई के अब तक कई फुल-फार्म सामने आ चुके हैं। अखिलेश यादव ने एमवाई का नया अर्थ गढ़ दिया है। उन्होंने एमवाई का मतलब महिला-युवा बताकर यह संदेश देने की कोशिश की कि नई सपा अब मुस्लिम-यादव गठजोड़ की नहीं रह गई है। नई सपा सभी जाति धर्मों को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है।

वहीं भाजपा ने एमवाई की परिभाषा अपने हिसाब से गढ़ी और इसे मोदी-योगी बता दिया। अखिलेश यादव, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बाबा मुख्यमंत्री कहकर संबोधित करते हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अखिलेश यादव के बाबा मुख्यमंत्री वाले बयानों पर बाबा का नया फुल-फार्म समझा दिया। उन्होंने कहा बीका मतलब ब्रेव यानी बहादुर, ए का मतलब एक्टिव यानी सक्रिय, दूसरे बी का अर्थ ब्रिलियंट यानी शानदार जो तुरंत निर्णय लेता है और बुलडोजर से सजा देता है। अंतिम ए का अर्थ अटेंटिव यानी चौकस, लोगों का उद्धारकर्ता बताया। चुनाव में बाबा के बाद काका की भी इंट्री हो गई है। सपा अध्यक्ष ने काका का नया अर्थ काले कानून बताया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह काका चले गए यानी तीनों कृषि कानून वापस हो गए उसी तरह बाबा भी चले जाएंगे। राजनीतिक गलियारों में बाबा और काका के इस नए अर्थ की चर्चा खूब हो रही है। बता दें कि अमित शाह ने अखिलेश के संसदीय क्षेत्र आजमगढ़ में प्रधानमंत्री मोदी के जैम की परिभाषा बताई। उन्होंने कहा जे का अर्थ जनधन खाता, ए का मतलब आधार व एम का अर्थ मोबाइल है। इस पर पलटवार करते हुए अखिलेश ने भाजपा के जैम की परिभाषा अपने तरह से गढ़ी। उन्होंने जे का अर्थ झूठ, ए का मतलब अहंकार व एम का अर्थ महंगाई बताते हुए भाजपा को घेरा था। आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने पिछले दिनों यूपी में योगी-राज पर तंज कसते हुए राज की परिभाषा गढ़ी थी। उन्होंने आर का अर्थ रिश्वत, ए का मतलब अपराध व जे का अर्थ जातिवाद बताकर योगी सरकार पर हमला बोला था।

एबीसीडी पर भी आमने-सामने वार

अमित शाह ने गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी के साथ जनसभा में गोरखपुर की ही नई परिभाषा गढ़ दी। उन्होंने गोरखपुर में जी का अर्थ गंगा एक्सप्रेसवे, ओ का अर्थ आर्गेनिक कृषि, आर का अर्थ रेल, ए का मतलब एम्स, केएच का अर्थ खाद कारखाना, पीयू का अर्थ पूर्वांचल एक्सप्रेसवे व आर का मतलब रीजनल मेडिकल रिसर्च सेंटर बताते हुए वहां हुए विकास की पूरी तस्वीर खींच दी थी। इसके जरिये अमित शाह ने यह बताने की कोशिश की कि पांच साल की योगी सरकार में गोरखपुर में कितना विकास हुआ है। शाह ने हरदोई की एक जनसभा में समाजवादी पार्टी की जनता को अपने अंदाज में एबीसीडी समझाई थी। उन्होंने कहा था सपा के लिए ए का मतलब अपराध या आतंक, बी का मतलब भाई-भतीजावाद, सी का अर्थ करप्शन व डी मतलब दंगा है। उन्होंने यह भी कहा था कि भाजपा सरकार ने सपा की इस एबीसीडी पर पानी फेर दिया है। पीएम मोदी ने भी शाहजहांपुर में गंगा एक्सप्रेस-वे के उदघाटन के मौके पर यूपी प्लस योगी बहुत हैं उपयोगी कहा तो अखिलेश यादव ने तंज कसते हुए कहा था अगर कोई उप-योगी है तो मुख्य-योगी कौन है।

बीजेपी का अर्थ भारतीय जुमलेबाज पार्टी

इस चुनाव में एसपी यानी समाजवादी पार्टी का भी नया फुल-फार्म सामने आया है। देश के गृह मंत्री अमित शाह ने एसपी का नया मतलब गढ़ा। बताया कि एस से संपत्ति एकत्र करो व पी से परिवारवाद। चुनावी सभा में एसपी की इस नए फुल-फार्म के जरिए उन्होंने सपा पर प्रहार किया। इसके जवाब में समाजवादी पार्टी की सहयोगी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने बीजेपी का फुल-फार्म भारतीय झूठ पार्टी बताया। दूसरी ओर अखिलेश बीजेपी का अर्थ भारतीय जुमलेबाज पार्टी बताते हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

यूक्रेन-रूस जंग के निहितार्थ

सवाल यह है कि रूस-यूक्रेन युद्ध का अंजाम क्या होगा? नाटो और अमेरिका ने जवाबी कार्रवाई की तो क्या होगा? क्या विश्व एक महायुद्ध के मुहाने पर खड़ा है? विश्व की अर्थव्यवस्था पर इसका क्या असर पड़ेगा? क्या भारत तटस्थ रहेगा? क्या कोरोना काल में शुरू हुई यह जंग आने वाले दिनों में भयानक तबाही का कारण बनेगी?

यूक्रेन और रूस विवाद आखिरकार जंग में तब्दील हो गया। महाशक्ति रूस अपने पड़ोसी देश यूक्रेन पर ताबड़तोड़ हमले कर रहा है। हमले में 150 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। रूस के हमले से एक बार फिर दुनिया में तीसरे विश्व युद्ध की आहट सुनायी देने लगी है। अमेरिका समेत तीस नाटो देश भी रूस को जवाब देने की तैयारी में हैं। अमेरिका और यूरोपीय संघ ने रूस के खिलाफ प्रतिबंधों का ऐलान कर दिया है। भारत भी यूक्रेन में फंसे अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंतित है। सवाल यह है कि रूस-यूक्रेन युद्ध का अंजाम क्या होगा? नाटो और अमेरिका ने जवाबी कार्रवाई की तो क्या होगा? क्या विश्व एक महायुद्ध के मुहाने पर खड़ा है? विश्व की अर्थव्यवस्था पर इसका क्या असर पड़ेगा? क्या भारत तटस्थ रहेगा? क्या कोरोना काल में शुरू हुई यह जंग आने वाले दिनों में भयानक तबाही का कारण बनेगी? क्या एक बार फिर आर्थिक मंदी का खतरा विश्व पर मंडराने लगा है?

रूस के विघटन के दौरान जो देश अलग हुए थे, उसमें यूक्रेन भी एक था। रूस ने 2014 में यूक्रेन से क्रीमिया को आजाद कर अपने नियंत्रण में ले लिया था। इसके अलावा यूक्रेन के डोनबास, लुहांस्क और डोनेस्तक में रूसी समर्थक हैं। ये यूक्रेन से संघर्ष कर रहे हैं लेकिन यूक्रेन पर रूसी हमले की पटकथा उस दिन लिखी गई जब अमेरिका ने यूक्रेन को नाटो में शामिल करने की कवायद शुरू की। रूस को चिंता है कि यदि यूक्रेन नाटो के साथ चला गया तो उसकी सेना और हथियारों के दम पर अमेरिका उसको नुकसान पहुंचा सकता है। वहीं अमेरिका और पश्चिमी यूरोपीय देशों ने नार्ड स्ट्रीम-2 पाइप लाइन परियोजना पर रोक लगा दी। इसमें रूस ने अरबों डालर खर्च किए हैं। इसके जरिए वह समूचे यूरोप में गैस और तेल की सप्लाई करना चाहता था। इससे पहले यह सप्लाई जिस पाइपलाइन के जरिए होती थी वह यूक्रेन से जाती थी और इसके लिए रूस उसको हर वर्ष लाखों डालर अदा करता था। नई पाइप लाइन के बन जाने से यूक्रेन की कमाई खत्म हो जाएगी। यही यूक्रेन के रूस से अलग होने और युद्ध की बड़ी वजह बनी। बावजूद इसके रूस का एक संप्रभु देश पर हमला करना अनुचित है। संवाद के जरिए भी समस्या का समाधान किया जा सकता था। यूक्रेन पर हमला कर रूस ने एक ओर छोटे देशों में डर पैदा किया है तो दूसरी ओर चीन जैसे विस्तारवादी ताकतों को भविष्य में मनमानी करने का रास्ता भी साफ कर दिया है। वहीं यदि नाटो देश सैन्य कार्रवाई करेंगे तो दुनिया को एक और विनाशक युद्ध का सामना करना पड़ेगा। इसका असर भारत समेत पूरी दुनिया पर पड़ेगा और लोगों को आर्थिक मंदी का सामना करना पड़ेगा।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पार्टियों में आंतरिक लोकतंत्र का प्रश्न

मोहन गुरुस्वामी

चुनाव सुधारों से संबंधित बहस लगभग पूरी तरह से राजनीतिक दलों के चंदे और प्रचार में खर्च पर केंद्रित होती है, मानो केवल इन पर ध्यान देकर राष्ट्रीय राजनीति को साफ-सुथरा बनाया जा सकता है। किसी चर्चा में दलों के आंतरिक लोकतंत्र और उनकी संवैधानिक कार्यशैली का मसला शायद ही कभी आता है। हम शायद ही कभी यह सोचते हैं कि बहुत सारे हमारे दल सही में राजनीतिक दल हैं या फिर आदिम इच्छाओं से प्रेरित असंगठित झुंड हैं। जब प्रधानमंत्री राजीव गांधी दल-बदल विरोधी विधेयक लेकर आये थे, तब मधु दंडवते ने इसका स्वागत करते हुए कहा था कि उन्हें लगा कि वे फिर जवाहरलाल नेहरू की आवाज सुन रहे हैं। उन्हें जल्दी ही यह अहसास होना था कि इस विधेयक का उद्देश्य पार्टी को एक छोटे गुट के अधीन रखना था। हालांकि अदालत में इसके विरुद्ध दायर याचिका में उन्होंने अपना नाम जोड़ा था। कई लोगों ने दंडवते पर तंज करते हुए कहा था कि उन्हें जो आवाज जवाहरलाल नेहरू की लगती थी, वह असल में इंदिरा गांधी की थी।

केवल चंद्रशेखर एवं मधु लिमये में विधेयक के वास्तविक उद्देश्य को रेखांकित करने की दृष्टि थी और उन्होंने विरोध किया कि यह विधेयक लोगों द्वारा चुने गये प्रतिनिधियों पर अलोकतांत्रिक ढंग से थोपे गये पार्टी नेतृत्व की अवैध शक्ति को संस्थागत बनाने का प्रयास है। तब मूल विधेयक में कुछ बदलाव कर विभाजन और दल बदल के बीच अंतर को कुछ हद तक स्पष्ट किया गया, पर इस संशोधन से विधेयक के विरोध के मुख्य कारणों का समाधान नहीं हुआ। भारतीय संविधान राजनीतिक दलों की संस्था को मान्यता नहीं देता है। ऐसा ही अन्य बड़े लोकतंत्रों में है। इस प्रकार राजनीतिक दल संविधान से इतर साझा विचारों, दर्शन, सोच और हितों के आधार पर लोगों को संगठित करने की व्यवस्था हैं। सांसद या विधायक लोगों के प्रतिनिधि होते हैं। उनका किसी पार्टी से संबद्ध होना या न होना केवल संयोग है। उनका उद्देश्य निर्वाचकों के हितों की रक्षा करना होता है न कि कुछ नेताओं के। ऐसे में यदि कोई प्रतिनिधि पार्टी व्हिप का उल्लंघन करता है तो पार्टी के बड़े हिस्से को उसे पार्टी की सदस्यता से हटाने की अनुमति होनी चाहिए।

सदन से किसी का निष्कासन सदन या लोगों का ही अधिकार होना चाहिए जब भी इस अधिकार को लागू किया जाए, तो वह रिश्वत लेने जैसे मामलों या संस्था की मर्यादा के अनादर करने के लिए होना चाहिए। हमारे यहां

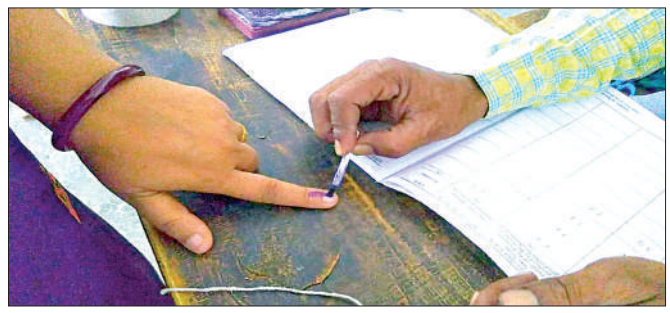

प्रतिनिधियों को वापस बुलाने का अधिकार (राइट टू रिकॉल) नहीं है, क्योंकि संभवत: यह व्यावहारिक नहीं है। यह तर्क कि अधिकतर सदस्य पार्टी की वजह से निर्वाचित होते हैं, कुछ हद तक सही है, पर यह तभी सही है, जब पार्टी का गठन व संचालन समुचित तौर पर किया गया है। यदि राजनीतिक दल को एक संवैधानिक संस्था के रूप में संविधान में शामिल करना है, तो पहले इसका कानून बनाना होगा। भाजपा और माकपा जैसी कुछ पार्टियों, जहां नियमित चुनाव के माध्यम से एक हद तक आंतरिक लोकतंत्र की व्यवस्था है और शायद सामूहिक रूप से निर्णय भी लिये जाते हैं, को छोड़कर अधिकतर पार्टियां लोकतांत्रिक कार्यप्रणाली का बेहद खराब उदाहरण हैं। हम जानते हैं कि कांग्रेस कैसे अपने चुनाव कराती है या आला कमान के जरिये फैसले करती है। बादल, ठाकरे, लालू यादव, के चंद्रशेखर राव, स्टालिन और मायावती जैसे नेता ऐसी प्रक्रियाओं को दिखावा मानते हैं। फिर भी इनके पास अपने निजी हितों व मर्जी के अनुरूप निर्देश देने या व्हिप जारी करने की शक्ति और वैधता है। याद करें, कैसे एक नामित कांग्रेस अध्यक्ष सीताराम केसरी ने कांग्रेस संसदीय दल के निर्वाचित नेता पीवी नरसिंहा राव को 24 घंटे के भीतर इस्तीफा देने का निर्देश दे दिया था।

कुछ अन्य पहलुओं पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। यह तर्क कि अगर सदस्यों को कानून से नियंत्रित नहीं किया जाए तो अराजकता फैल सकती है, कुछ हद सही हो सकता है। इसके लिए व्हिप को केवल विश्वास प्रस्ताव पर मतदान तक सीमित किया जा सकता है। इसमें यह व्यवस्था की जा सकती है कि व्हिप के विरुद्ध वोट करने वाले सदस्य को छह माह या निर्धारित अवधि में जनता का भरोसा फिर से जीतना होगा। दल बदल करने वाले सदस्य को मंत्री पद नहीं देना चाहिए क्योंकि इससे इंगित होता है कि मंत्री पद एक पुरस्कार है, योग्यता का रेखांकन या सेवा का उत्तरदायित्व नहीं। दल बदल कानून को अगर मामूली राजनीतिक और दार्शनिक वैधता भी देनी है, तो सबसे पहले पार्टियों में उचित आंतरिक लोकतंत्र सुनिश्चित करना होगा। पार्टियों ने जता दिया है कि वे स्वयं ऐसा कर पाने में अक्षम हैं। पहले चुनाव आयोग इस मुद्दे को उठा चुका है, पर उसे तेज आवाज में बोलना होगा तथा संसद से अधिक अधिकार पाने पर जोर देना होगा।

डिजिटल पूंजी को कानूनी वैधता का इंतजार

पवन दुग्गल

वित्तमंत्री सीतारमण ने बजट 2022-23 भाषण में कुछ नई राहों को खोला है, जिससे अनेकानेक नए मौके पाने की संभावना बनी है। इनमें एक है डिजिटल करेंसी। आज की तारीख तक, भारत के पास मुद्रा के तौर पर केवल कागजी भारतीय रुपया रहा है। पूंजी के डिजिटल प्रारूप पर बढ़ती निर्भरता और इस 'डिजिटल वाहन' पर दिनों-दिन भारतीयों को सवार होते देख सरकार ने डिजिटल करेंसी की महत्ता को पहचाना है। यही वजह है कि वित्तमंत्री ने केंद्रीय बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) लाने की बात कही है।

सीबीडीसी क्रमिक विकास सरीखी प्रक्रिया है। आम आदमी की भाषा में कहें तो क्रिप्टो करेंसी की आमद ने विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों को निजी क्रिप्टो करेंसी का आधिकारिक विकल्प देने के बारे में सोचने को उद्धत किया है। सीबीडीसी को आमतौर पर वह डिजिटल टोकन माना जा रहा है जिसे देश का केंद्रीय बैंक जारी करेगा। जहां तक मुल्कों की आम प्रचलित नकदी की बात है, ज्यादातर देशों के केंद्रीय बैंक डिजिटल टोकन को बढ़ावा देने के हामी हैं। अटलांटिक काउंसिल ने कहा है कि सीबीडीटी वह आभासीय मुद्रा है जिसे मुल्क का केंद्रीय बैंक जारी कर मान्यता देगा। सीबीडीटी का फायदा यह होगा कि इसके धारक को मूल्य संबंधी गारंटी मुल्क विशेष के केंद्रीय बैंक की होगी। इस संदर्भ में, बजट भाषण में वर्ष 2022-23 से रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा ब्लॉक चेन और अन्य तकनीकों पर आधारित डिजिटल रुपया जारी करने का वर्णन है। बजट में आगे डिजिटल रुपये के रूप में सीबीडीसी के बहुत से फायदों को गिनाया गया है। आस है कि भारतीय डिजिटल अर्थव्यवस्था को भारतीय मुद्रा के इस नए प्रारूप से गति मिलेगी। यह भी माना जा रहा है कि डिजिटल रुपये और डिजिटल करेंसी से मुद्रा प्रबंधन व्यवस्था के खर्च में कमी आएगी और अधिक दक्षता बनेगी। जहां तक भारत की बात है इससे डिजिटल करेंसी और भुगतान के क्रमिक विकास के आगाज से नया अध्याय बनेगा। बजट भाषण में डिजिटल शब्द का जिक्र 35 अलग-अलग स्थान पर आया है, जो कि डिजिटल व्यवस्था बनाने के अलग-अलग पहलुओं से जुड़ी गतिविधियों से संबंधित है।

बजट भाषण ने नए युग का सूत्रपात किया है। पहली मर्तबा डिजिटल पूंजी पर कर-योजना का प्रावधान किया गया है। भारत में पिछले कुछ समय से क्रिप्टो करेंसी और क्रिप्टो-पूंजी के प्रयोग में भारी उछाल देखने को मिला है। हालांकि, इनको नियंत्रित करने हेतु अलग से विशेष कानूनी तंत्र नदारद है। गौरतलब और रोचक यह कि फिर भी ज्यादा-से-ज्यादा भारतीय आभासीय पूंजी में निवेश कर रहे हैं और इसके लेन-देन की मात्रा और आवर्ती में निरंतर बढ़ोतरी होती जा रही है। बजटीय संबोधन में आगे आभासीय डिजिटल पूंजी पर लगने वाले टैक्स की बाबत अलग-अलग प्रावधानों का जिक्र किया गया है।

इस कार्ययोजना के विविध मुख्य अवयव हैं जिनमें प्रथम, आभासीय मुद्रा या पूंजी के लेन-देन से प्राप्त आमदनी पर 30 फीसदी कर चुकाना होगा। दूसरा, डिजिटल पूंजी से हुई आमदनी की गणना करते वक्त इसकी खरीद लागत गिने जाने के अलावा अन्य खर्च या भत्तों की कटौती किए जाने का प्रावधान नहीं है। तीसरा, डिजिटल करेंसी या पूंजी के व्यापार में हुए घाटे को व्यक्ति के अन्य स्रोतों से हुए मुनाफे से घटाकर पेश करना वर्जित है। चौथा, इस योजना के तहत एक मात्रा से ज्यादा डिजिटल करेंसी या पूंजी के लेन-देन पर एक फीसदी दर से टीडीएस (स्रोत कर) लगेगा। इन प्रस्तावों से कुल मिलाकर यह प्रभाव बनता है कि सरकार डिजिटल पूंजी को मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था में शामिल करके कराधान का दायरा बढ़ाना चाहती है। यही वह मंतव्य है जो इस बजट भाषण में झलकता है। यहां गौरतलब है कि चूंकि भारत के पास डिजिटल पूंजी को लेकर अलग से कोई कानूनी तंत्र अब तक नहीं है तो इसकी अनुपस्थिति में आभासीय (वर्चुअल) लेन-देन पर 30 फीसदी कर लगाने का प्रावधान आम आदमी की समझ में एक तरह से डिजिटल पूंजी को वैधता और मान्यता देने वाला कदम है। हालांकि यह विषय-वस्तु और क्षेत्र अभी अस्पष्ट है। जो लोग डिजिटल पूंजी के व्यापार में लिप्त हैं उनके धन की सुरक्षा के लिए जरूरी है कि एक यथेष्ट कानूनी तंत्र बने, जो कि बजट में डिजिटल पूंजी पर टैक्स-प्रस्तावों को लेकर की गई घोषणा के अनुरूप भी होगा। ऐसा कोई कदम भारत में क्रिप्टो-आर्थिकी की उन्नति सुदृढ़ करने में अधिक स्पष्टता और सहायता प्रदान करेगा। भारतीय डिजिटल रुपये को एक न्यूनतम कानूनी जामा पहनाने की जरूरत है।

ऐसा इसलिए भी क्योंकि डिजिटल रुपये वाला सिद्धांत वर्तमान दायरे में नहीं आता। लिहाजा इसको सूचना तकनीक कानून-2000 और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया कानून-1935 की परिधि में लाने हेतु दोनों में यथेष्ट संशोधनों की जरूरत है। भारतीय डिजिटल रुपये की कानूनन वैधता बनाने को भी संबंधित धाराओं में माकूल संशोधन किए जाने की जरूरत पड़ेगी। इस तरह अधिक स्पष्टता बनाकर ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोगों को डिजिटल रुपया इस्तेमाल करने को उत्साहित किया जा सकेगा। इतना सब कह और करके, बजट भाषण ने डिजिटल रुपये और आभासीय डिजिटल पूंजी में संभावनाओं की नई राहें खोल दी हैं। हालांकि इन मौकों को एक कानूनी ढांचे का संबल देकर मजबूती और वैधता देना बाकी है। यह सब होने पर भारत भी आने वाले समय में डिजिटल करेंसी और पूंजी व्यापार के फायदों का लाभ ले सकेगा।

सुबह खाली पेट खाएं पपीता होंगे अनगिनत फायदे

फल खाने से सेहत को अनगिनत लाभ होते हैं क्योंकि फलों में वो सभी पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर के बेहतर कामकाज के लिए जरूरी हैं। पपीता भी एक ऐसा ही फल है जो स्वाद और पोषण दोनों में सबसे ऊपर है। पीले-नारंगी रंग का यह फल बच्चों और बूढ़ों को सबसे ज्यादा पसंद आता है क्योंकि यह आसानी से खाया जा सकता है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि कुछ फलों को अगर सुबह खाली पेट खाया जाए, तो शरीर को ज्यादा लाभ हो सकते हैं और पपीता के मामले में यह बात सौ प्रतिशत ठीक है। ऐसा माना जाता है कि पपीता खाने का फायदा यह है कि इसमें कैलोरी कम होती है और इसमें फाइबर की मात्रा अधिक होती है। यही वजह है कि यह वजन कम करने में मदद करता है और यहां तक कि कोलेस्ट्रॉल को भी नियंत्रित रखता है। जब पपीते को खाली पेट खाया जाता है, तो यह पाचन तंत्र को विषाक्त पदार्थों को साफ करता है। इतना ही नहीं, इसमें पाचन वाले एंजाइम होते हैं, जो मल त्याग को सुचारू बनाते हैं। यह पेट की सूजन, पेट खराब और कब्ज जैसे पाचन विकारों को दूर रखने के लिए भी जाना जाता है। यूनाइटेड स्टेट डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर के अनुसार, पपीता विटामिन ए, सी और के का खजाना होता है, जो शरीर से विषाक्त पदार्थों को हटाकर प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने में मदद करता है। यह बीमारियों और संक्रमणों को दूर रखने में मदद करता है। चलिए जानते हैं कि खाली पेट पपीता खाने से सेहत को और क्या-क्या फायदे होते हैं।

पाचन स्वास्थ्य को मिलता है बढ़ावा

खराब पाचन वाले लोगों के लिए रोजाना पपीता खाना जरूरी है। यह पाचन तंत्र को दुरुस्त करता है और भोजन को तेजी से मेटाबोलाइज करने में मदद करता है। पपीते में पपैन नामक एंजाइम होता है, जो भोजन को तेजी से तोड़ने में मदद करता है। इसके अलावा, पपीता एक ऐसा फल है जिसमें पानी की मात्रा अधिक होती है जो कब्ज के जोखिम को रोकता है।

दिल को स्वस्थ बनाने में सहायक

पपीता फाइबर, पोटेशियम और विटामिन से भरपूर होता है जो हृदय रोगों को दूर रखता है। हृदय रोगों के जोखिम को कम करने के लिए डॉक्टर पोटेशियम के अधिक सेवन की सलाह देते हैं। विटामिन बी, सी, ई, बीटा-कैरोटीन और लाइकोपीन जैसे पोषक तत्वों से भरपूर पपीता धमनियों के भीतर खराब कोलेस्ट्रॉल को कण करता है।

डायबिटीज के मरीजों के लिए बेहतर विकल्प

मधुमेह या डायबिटीज के मरीजों को रोजाना सुबह खाली पेट एक कप पपीता खाना चाहिए. यह इसमें नैचुरल शुगर होती है और इसके एंटीऑक्सीडेंट गुणों के कारण यह शुगर के मरीजों के लिए अच्छा विकल्प है। इसका शरीर पर हाइपोग्लाइसेमिक प्रभाव होता है जो ब्लड शुगर लेवल को कम करता है।

कोलेस्ट्रॉल लेवल को करता है कम

सुबह खाली पेट पपीता खाने से कोलेस्ट्रॉल लेवल में सुधार हो सकता है। अधिक लाभ लेने के लिए पने पके हुए दलिया में कटा हुआ पपीता मिलाएं क्योंकि दोनों खाद्य पदार्थों में फाइबर होते हैं जो शरीर से कम घनत्व वाले लिपोप्रोटीन को खत्म करने में मदद कर सकते हैं।

बुढ़ापे के लक्षणों को करता है दूर

पपीते में अल्फा-हाइड्रॉक्सी एसिड (एएचए) में प्रचुर मात्रा में होता है। यह एक ऐसा तत्व होता है, जो त्वचा को चमकदार, मोटा और चिकना बनाता है। त्वचा की लोच ब?ाने के लिए पपीता खाएं क्योंकि इसमें सोडियम की मात्रा कम होने के कारण यह त्वचा को हाइड्रेट कर सकता है।

कैंसर के खतरे को कम करता है

विभिन्न प्रकार के कैंसर का मुख्य कारण मुक्त कण और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस है। एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर पपीता कोशिकाओं को नुकसान से बचाने और कैंसर के खतरे को कम करने में मदद कर सकता है। लाइकोपीन एक प्रकार का कैरोटीनॉयड है, जो फल-सब्जियों में पाया जाता है जिसमें कैंसर विरोधी गुण होते हैं।

हंसना मना है

टीचर: बच्चों जब तुम सब बड़े हो जाओगे तो इस फोटो को देखकर कहोगे, ये रहा राजू जो अमेरिका चला गया, ये रहा रवि जो अब लंदन में जॉब करता है और ये रहा नंदू जो यहीं का यहीं रह गया। ये बात सुनकर नंदू बोला-और ये रही हमारी मैडम, जिनका देहांत हो गया। नंदू की फिर तगड़ी कुटाई हुई।

पत्नी: ये रैगिंग किसे कहते हैं? पति: ये जो तुम हर मैरिज एनिवर्सिरी, करवाचौथ और जन्मदिन पर जबरदस्ती गिफ्ट मांगती हो ना, उसे ही अंग्रेजी में रैगिंग कहते हैं।

12 साल बाद वो जेल से छूटा मैले कुचैले कपड़ों में बहुत थका हुआ घर पहुंचा। घर पहुंचते ही बीबी चिल्लाई कहां घूम रहे थे इतनी देर? आपकी रिहाई तो 2 घंटे पहले ही हो गई थी ना? वो आदमी वापस जेल चला गया।

पत्नी: 'पहले मेरा फिगर पेप्सी की बोतल की तरह था' पति: 'वो तो अभी भी है' पत्नी खुश होकर:'सच' पति 'हां, पहले 300 एमएल की थीं अब 2 Litre की है!!!'

पति: सुनो, तुमने मुझमें ऐसा क्या देखा था जो मुझसे शादी के लिए हां कर दी। पत्नी: मैंने बालकनी से आपको एक-दो बार बर्तन साफ करते हुए देखा था।

कहानी — चिड़िया और उसके बच्चे

एक गांव के बगीचे में एक बहुत बड़ा एक नीम का पेड़ था। उस पेड़ पर एक चिड़िया रहती थी। वहां उसने एक घोंसला बनाया और कुछ दिनों बाद अंडे दिए। थोड़े दिनों बाद उन अंडो से चूजे निकले। यह देखकर चिड़िया बहुत खुश हुई। अब हर रोज चिड़िया अपने बच्चों के लिए खाना ढूंढने जाती और शाम होते ही वापस अपने घोंसले में आ जाती। इस तरह चिड़िया बड़े प्यार से अपने बच्चों की देखभाल करने लगी। उस पेड़ के नीचे एक चबूतरा भी बना हुआ था और घोंसले की सारी गंदगी नीचे उस चबूतरे पर आकर गिरती रहती। चिड़िया के बच्चें कभी बीट कर देते तो कभी घास के तिनके नीचे गिरा देते। इससे सारा चबूतरा गंदगी और कचरे से भर जाता। एक दिन अचानक बगीचे का मालिक वहां आया और उनसे देखा कि चबूतरा तो बहुत ज्यादा हो गया हैं। उसने पेड़ पर देखा तो उसे एक घोंसला देखाई दिया। ये देखकर बगीचे का मालिक बहुत नाराज हुआ। उसने अपने नौकर को बुलाया और उसे घोंसला हटाने की बात कहकर वहां से चला गया। इधर चिड़िया के बच्चें ये देखकर बहुत ज्यादा डर गए और ये बात उन्होंने शाम को अपनी माँ को बताई। तो चिड़िया ने कहा-डरो मत बच्चों! मौज से रहो। कुछ दिन ऐसे ही चलता रहा। अब चिड़िया के बच्चें थोड़े बड़े हो चुके थे। थोड़े दिन बाद बगीचे का मालिक एक बार फिर वापस आया और उसने देखा कि घोंसला तो अब भी वहीं पर हैं। इस बार उसने बेटे को बुलाया और उसे घोंसला हटाने की बात कहकर चला गया। चिड़िया के बच्चे ये देखकर फिर से बहुत ज्यादा डर गए और शाम को जब माँ घर आई तो उन्होंने वो सारी बात अपनी माँ को बताई। तो चिड़िया ने कहा-डरो मत बच्चों! मौज से रहो, कुछ नहीं होगा। इस तरह दिन बीतते गए और अब चिड़िया के बच्चे थोड़ा थोड़ा उड़ना सीख चुके थे। थोड़े दिन गुजरने के बाद बगीचे का मालिक एक बार फिर वापस आया। अब वो पहले से काफी ज्यादा गुस्से में था। जब उसने देखा कि न तो वहां किसी ने सफाई की हैं और न ये घोंसला हटाया गया है अभी तक। अब वो सबको दोष देते हुए कहने लगा-सबके सब नालायक हैं कोई काम नहीं करता। अब मुझे ही इस घोंसले को यहाँ से हटाना होगा। अब कल मैं खुद ही आकर इस घोंसले को यहाँ से हटाऊंगा। इधर चिड़िया के बच्चें ये देखकर फिर से घबरा जाते हैं। शाम को जब चिड़िया घर आयी तो बच्चों ने उसे सारी बात बताई। ये सुनकर चिड़िया घबरा गयी और कहने लगी-बच्चों!! अब कल सुबह होते हमें भी यहाँ से जाना होगा। तुम तैयार रहना। और अगले दिन सुबह होते ही चिड़िया अपने बच्चों को साथ लेकर उड़ गयी। इधर बच्चें ये सोचते हुए उड़ रहे थे कि माँ ने आज ही चलने को क्यों कहा पहले क्यों नहीं?

इस कहानी से शिक्षा: कभी भी दूसरों के भरोसे नहीं बैठना चाहिए और अपना काम स्वयं ही करना चाहिए।

6 अंतर खोजें

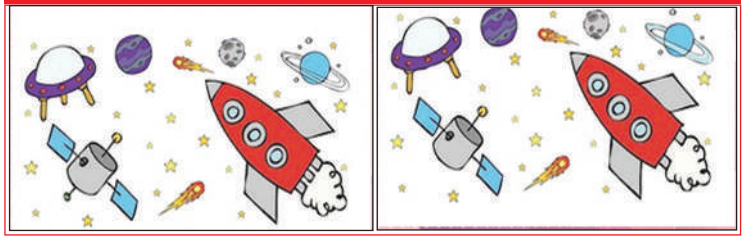

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

खट्टे- मीठे अनुभव का एहसास होगा। लव लाइफ में एक नए जोश का अनुभव करेंगे। अहंकार से बचने की आवश्यकता है, नहीं तो पती-पत्नी में आपसी विवाद हो सकता है।

वृषभ

लव लाइफ पहले से बेहतर रहेगी। जीवनसाथी के साथ समय व्यतीत करेंगे। प्रेमी के साथ यात्रा करने का मौका भी मिल सकता है। देखा जाए तो आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है।

मिथुन

प्रेमी या जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। लव लाइफ बेहतर रहेगी, लवर के साथ घूमने का कार्यक्रम भी बना सकते हैं। प्रेमी को उपहार देने से प्रेमी खुश होगा।

कर्क

जीवन में सुख का अनुभव प्राप्त करेंगे। आपका लवर आपको उपहार दे सकता है, जिस वजह से आप खुशी का अनुभव करेंगे। प्रेमी के साथ कहीं घूमने भी जा सकते हैं।

सिंह

प्रेम संबंधो में विनम्रता दिखाएं नहीं तो रिश्तों में दरार पड़ सकती हैं। काई भी निर्णय लेने से पहले उस पर सोच विचार अवश्य कर लें। प्रेम में बढ़ोतरी होगी।

कन्या

आप लव लाइफ को लेकर काफी सजक रहेंगे, प्रेमी के साथ समय व्यतीत करेंगे। प्रेम में बढ़ोतरी होगी और मान-सम्मान भी बढ़ेगा। हर समस्या का धैर्य पूर्वक समाधाना निकालें।

तुला

जीवन में टकराव उत्पन्न हो सकता है, इसलिए सावधानी पूर्वक चलने की आवश्यकता है। लव लाइफ को बेहतर बनाने का प्रयास करेंगे तो निश्चित रूप से जीवन में एक नई उम्मीद की किरण जगेगी।

वृश्चिक

आपको आवश्यकता है अपने प्रेमी से प्यार से बात करने की, अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो रिश्ता टूट भी सकता है। एक सुखी जीवन के लिए आपको धैर्य के साथ काम करना होगा।

धनु

प्रेमी के साथ जीवन मधुर होगा और साथ में बेहतर जीवन व्यतीत करेंगे। प्रयास करें प्रेमी के साथ कहीं घूमने जाने की। यह समय पैसे और वित्त संबंधी मामलों में थोड़ा संभल कर रहने का है।

मकर

लव लाइफ में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। वाणी में नियंत्रण रखें, किसी से भी वाद- विवाद न करें। अचल सम्पत्ति खरीदना चाहते हैं तो आज ही उसका निर्णय कर लें।

कुम्भ

लवर के साथ प्रेम संबंध पहले से बेहतर होंगे। लव लाइफ में एक नयापन आएगा। अगर अभी तक आपने अपने प्रेमी से अपने मन की बात नहीं की है तो तुरंत कर लें। साथ ही नए केस मिलने की संभावना हैं।

मीन

लव लाइफ सामान्य रहेगी। प्रेमी के साथ समय बिताएं। वैवाहिक और पारिवारिक जीवन में प्रेम बढ़ेगा। मानसिक अस्थिरता से बचें। डिस्टर्ब हुए बिना समय पर काम निपटाने की कोशिश करें।

बालीवुड | मन की बात

फेमस सिंगर सोनू निगम को मिले धमकी भरे मैसेज

बॉलीवुड के फेमस सिंगर और पद्मश्री से सम्मानित सोनू निगम की आवाज के लोग आज भी दीवाने हैं। वो फिल्मों में गाना गाने के साथ-साथ लाइव परफॉर्मेंस भी देते हैं। विदेश में भी उनके प्रोग्राम होते हैं। इन दिनों सोनू का नाम एक बार फिर चर्चा में आ गया है। बताया जा रहा है कि उन्हें कथित तौर पर धमकी मिली है। ये धमकी उन्हें BMC चीफ इकबाल सिंह चहल के कजिन राजिंदर सिंह ने दी है। जानकारी के मुताबिक चीफ इकबाल सिंह चहल ने अपने कजिन राजिंदर सिंह की मुलाकात सोनू निगम से करवाई थी। इसके बाद राजिंदर ने सोनू को विदेश में एक म्यूजिक कॉन्सर्ट में परफॉर्म करने के लिए कहा। चूंकि सोनू के इंटरनेशनल कॉन्सर्ट को उनके प्रमोटर रॉकी देखते हैं, इसलिए उन्होंने राजिंदर को रॉकी से कॉन्टैक्ट करने के लिए कहा। बस यही बात राजिंदर को बुरी लग गई और उन्होंने सोनू का अपमान करते हुए कई मैसेज भेजे। यहां तक कि उन्हें धमकी भी दी। बताया जा रहा है कि सोनू निगम को राजिंदर ने जो मैसेज भेजे हैं, उसकी भाषा बहुत ही अभद्र है। इसके स्क्रीन शॉट भी वायरल हो रहे हैं, लेकिन सिंगर इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं करना चाहते हैं। इसकी वजह ये है कि वो इकबाल और मुंबई में किए उनके काम का सम्मान करते हैं, इसलिए वो राजिंदर के खिलाफ कोई कड़ा कदम नहीं उठाएंगे।

विक्रम वेधा से सैफ अली खान का का फर्स्ट लुक देख करीना बोलीं

पति पहले से भी ज्यादा हॉट

विक्रम वेधा फिल्म से सैफ अली खान का फर्स्ट लुक रिवील कर दिया गया है। खुद रितिक रोशन ने उनकी फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की है। वहीं, करीना कपूर खान अपने पति का ये लुक देखकर खुशी के मारे हैरान हो गई हैं। उन्होंने सैफ को पहले से भी ज्यादा हॉट बताया है। विक्रम वेधा फिल्म का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस मूवी में सैफ अली खान और रितिक रोशन पहली बार साथ काम करते दिखाई देंगे। अब विक्रम यानी सैफ का इस फिल्म से फर्स्ट लुक रिवील हो गया है। खुद रितिक ने उनकी झलक सोशल मीडिया पर शेयर की है। साथ ही उनके साथ काम करने के अपने ऐक्सपीरियंस के बारे में भी लिखा है। वहीं, सैफ की वाइफ और ऐक्ट्रेस करीना कपूर खान अपने पति का लुक देख दीवानी हो गई हैं और उन्हें पहले से भी ज्यादा हॉट बताया है। रितिक रोशन ने इंस्टाग्राम पर सैफ अली खान का विक्रम वेधा से फर्स्ट लुक शेयर किया है और कैप्शन में लिखा है, विक्रम। इसके साथ उन्होंने ये भी लिखा है, एक बेहतरीन ऐक्टर और सहकर्मी के साथ काम करना, जिसकी मैंने सालों से तारीफ की है, एक ऐसा अनुभव होने जा रहा है, जिसमें मैं संजो कर रखूंगा। इंतजार नहीं कर सकता। वहीं, करीना कपूर खान ने भी सैफ अली खान की फोटो शेयर कर लिखा है, पति पहले से भी ज्यादा हॉट। इसके लिए इंतजार नहीं कर सकती। करीना ने ये भी जानकारी दी है कि ये विक्रम वेधा फिल्म 30 सितंबर 2022 को थियेटर्स में वर्ल्डवाइड रिलीज होगी। विक्रम वेधा माइथोलॉजिकल कहानी विक्रम और बेताल से प्रेरित है। इस फिल्म में सैफ अली खान पुलिस होंगे, जबकि रितिक रोशन गैंगस्टर का किरदार निभाएंगे।

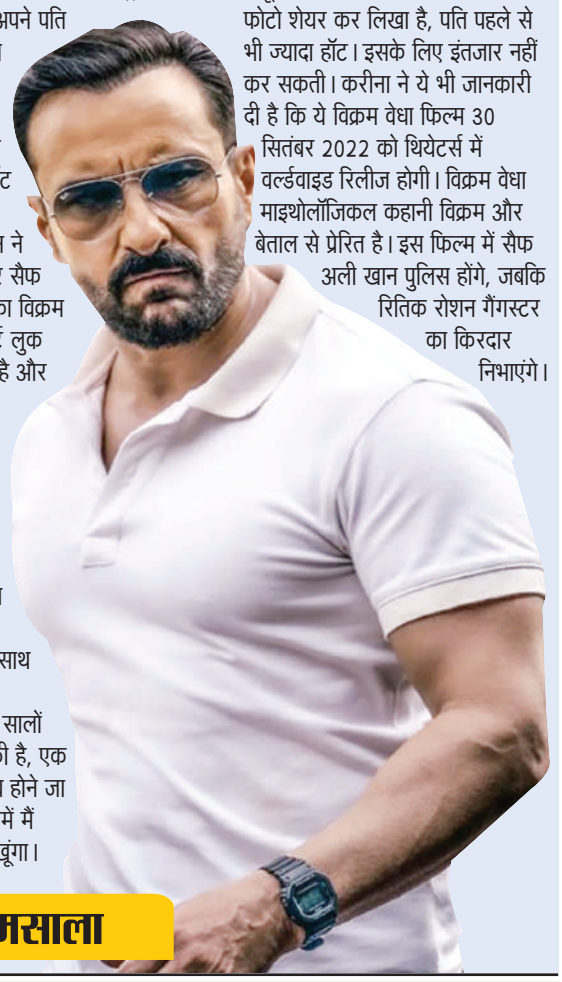

बॉलीवुड | मसाला

भाभी जी घर पर हैं को मिली नई अनीता भाभी

टीवी शो भाभी जी घर पर है! के फैंस के लिए गुडन्यूज है। लंबी खोज के बाद आखिरकार ये रिवील हो गया कि कौन होंगी अगली अनीता भाभी। नेहा पेंडसे के शो को अलविदा कहने के बाद अनीता भाभी का रोल मिला है टीवी एक्ट्रेस विदिशा श्रीवास्तव को। काशीबाई बाजीराव बल्लाल शो में शिव बाई का रोल निभा रहीं एक्ट्रेस विदिशा श्रीवास्तव को मेकर्स ने फाइनल कर लिया है। विदिशा ने कहा- ये बहुत बड़ा अवसर है और बड़ा चैलेंज भी है। मेरे ख्याल से प्रोड्यूसर्स ने इस कैरेक्टर के लिए कई सारी एक्ट्रेसेज के ऑडिशन लिए थे। लेकिन रातों रात मेरा सलेक्शन हुआ। मुझे खुद भी लगता है कि मैं इस रोल के लिए फिट हूं। लुक्स और परफॉर्मेंस दोनों के मामले में। विदिशा ने इसे अपने एक्टिंग करियर का बड़ा ब्रेक बताया है। विदिशा ने शो में अनीता भाभी के रोल में सौम्या टंडन और नेहा पेंडसे दोनों को देखा है। विदिशा का दावा है कि वे अनीता भाभी के रोल को अपने तरीके से निभाएंगी। एक्ट्रेस ने कहा- ये कॉमेडी में मेरा डेब्यू है। और किसी पॉपुलर शो में भी। मैं बिना किसी प्रेशर के ये रोल कर रही हूं। मैं डरी हुई नहीं हूं। मैं इस नए अवसर के लिए काफी खुश हूं। मैं अपना बेस्ट दूंगी। अब ऑडियंस नई अनीता भाभी के रोल में मुझे स्वीकार करेंगे या नहीं ये मेरे बस में नहीं है। मैं खूबसूरत तरीके से इस लीगेसी को आगे लेकर जाऊंगी। विदिशा के वर्कफ्रंट की बात करें तो वे कई साउथ इंडियन फिल्मों में दिखी हैं। विदिशा ने सीरियल मेरी गुड़िया, कहत हनुमान जय श्रीराम, ये है मोहब्बते, श्रीमद भागवत महापुराण जैसे शोज में काम किया है। अब उन्हें एक अलग ही जोनर में काम करते देखना रोमांचक होने वाला है।

अजब-गजब | आज तक इनके रहस्य से नहीं उठा पर्दा

ये हैं दुनिया की पांच सबसे रहस्यमयी जगहें

पूरी दुनिया रहस्यों से भरी पड़ी है। दुनिया में कई ऐसे अनोखे और अनसुलझे रहस्य हैं, जिनपर यकीन करना मुश्किल होता है। वैज्ञानिक भी इन रहस्यों को सुलझाने के लिए लगातार कोशिश करते रहते हैं। कुछ चीजों में वैज्ञानिकों को कामयाबी तो मिल जाती है, लेकिन कई रहस्य ऐसे होते हैं, जो कभी सुलझ नहीं पाते हैं। दुनिया में कई ऐसे रहस्यमयी जंगल, पहाड़, नदी, द्वीप हैं, जिनके रहस्य के बारे में अभी तक पता नहीं चल पाया है। कई जगह एलियंस की वजह से, तो कुछ स्थान को भूतों की वजह से रहस्यमयी बन जाते हैं। कहीं तो हवा में पत्थर लटकते हुए दिख जाते हैं। आज हम ऐसी ही पांच रहस्यमयी जगहों की लिस्ट निकाल कर लाए हैं, जिनके बारे में जानकर आप सोचने पर मजबूर हो जाएंगे कि आखिर ऐसा कैसे हो सकता है, तो चलिए जानते हैं उन रहस्यमयी जगहों के बारे में...

सांपों का द्वीप

ब्राजील में एक ऐसा द्वीप है, जो हजारों विषैले सांपों से भरा पड़ा है। इस द्वीप का नाम इलाहा दा क्यूइमादा है। यहां इतने सांपों का रहस्य क्या है, ये भी आज तक कोई नहीं जान पाया है। इस द्वीप को सांपों का द्वीप भी कहा जाता है। यहां प्रति तीन फीट की दूरी पर एक से पांच सांप आसानी से मिल जाएंगे। इसलिए ब्राजील की नौसेना ने सभी नागरिकों का द्वीप पर आना प्रतिबंधित किया हुआ है।

दनाकिल रेगिस्तान, इथोपिया

दुनिया में लगभग सभी जगहों पर कुछ महीनों के अंतराल में मौसम बदलता है, कभी सर्दी होती है तो कभी गर्मी, लेकिन दनाकिल रेगिस्तान में पूरे साल न्यूनतम तापमान 48 डिग्री सेल्सियस के आसपास ही रहता है। कभी-कभी तो पारा 145 डिग्री सेल्सियस भी हो जाता है। सिर्फ यही नहीं, यहां के तालाबों का पानी हर वक्त उबलता रहता है।

नोरिल्स्क, रूस

नोरिल्स्क में बहुत ज्यादा ठंड पड़ती है, जिस कारण यहां का औसतन वार्षिक तापमान माइनस 10 डिग्री सेल्सियस रहता है। वहीं सर्दियों में यहां का तापमान माइनस 55 डिग्री सेल्सियस हो जाता है। ठंड से बचने के लिए आर्टिटेक्टस ने शहर को इस तरह डिजाइन किया है ताकि कुछ ठंडी हवाओं को रोका जा सके। इसी वजह से इस शहर में प्रति वर्ष दो महीने तक अंधेरा रहता है।

सेंटिनल द्वीप, अंडमान

कहा जाता है कि यहां खतरनाक आदिवासी रहते हैं। इनका दुनिया में किसी से भी संपर्क नहीं है। ये लोग ना तो स्वयं इस द्वीप से बाहर आते हैं और न ही किसी बाहरी व्यक्ति को यहां आने देते हैं। इसके पीछे क्या कारण है, यह भी आज तक पता नहीं चल पाया है। यहां जाना लोगों के लिए बहुत जानलेवा होता है। इसलिए द्वीप पर आम लोगों का जाना प्रतिबंधित है।

सबसे युवा बिटकॉइन करोड़पति हाईस्कूल के बाद छोड़ दी थी पढ़ाई

इंसान की किस्मत कब बदल जाए, कोई नहीं जानता है। इंसान एक पल में अमीर से गरीब और गरीब से अमीर बन जाता है। अक्सर हम देखते हैं कि हमारे आस-पास कुछ ऐसे लोग होते हैं जो पढ़ाई में बेहद कमजोर होते हैं। उनका पढ़ाई में मन नहीं लगता, लेकिन दूसरों कामों में उनका खूब मन लगता है। ऐसे में वो उस काम में माहिर हो जाते हैं। कुछ ऐसा ही एक मामला इन दिनों पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है। जहां एक 18 साल का लड़का पढ़ाई में बाकियों से पीछे था, लेकिन आज वो दुनिया का सबसे युवा बिटकॉइन करोड़पति है। उसकी पढ़ाई को देखते हुए उसके टीचरों ने पढ़ाई छोड़कर नौकरी करने की भी सलाह दे दी। अब जब वह करोड़पति बन चुका है तो उनके टीचर भी उसकी तारीफ कर रहे हैं। इतनी छोटी सी उम्र में करोड़पति बनने के बाद उसके जानने वाले काफी हैरान हैं। इस बिटकॉइन करोड़पति लड़के का नाम एरिक फिनमैन है। इतनी छोटी सी उम्र में करोड़पति बनने के बाद इसने पूरी दुनिया को हैरत में डाल दिया है। दुनिया में एरिक अब तक के सबसे युवा बिटकॉइन करोड़पति बन गए हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि एरिक बाकी बच्चों की तरह पढ़ाई में अच्छे नहीं रहे। ऐसे में वो हमेशा अपने टीचरों की डांट सुनता रहते थे। उन्हें स्कूल में नाकारा समझा जाता था। एक बार तो उनके टीचर ने यह तक कह दिया कि तुम पढ़ाई में कुछ नहीं कर पाओगे, जाकर कहीं नौकरी कर लो। ऐसे में एरिक को ये बातें चुभ गईं और उसने हाई स्कूल के बाद ही पढ़ाई छोड़ दी। इसके बाद एरिक ने अपने माता-पिता से कहा कि अगर वो 18 साल की उम्र तक एक मिलियन डॉलर कमा लेता है तो उसे स्कूल या कॉलेज जाने की कभी जरूरत नहीं होगी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार एरिक ने छोटी सी उम्र में ही क्रिप्टोकरेंसी में निवेश किया और आज वो करोड़पति बन गया है। दरअसल एरिक के करोड़पति बनने के पीछे एक बेहद दिलचस्प कहानी है। एरिक अपनी दादी की वजह से करोड़पति बन पाया है। एक बार एरिक की दादी ने उसे 71 हजार रुपये गिफ्ट के तौर पर दिए। इन रुपयों से एरिक ने 100 बिटकॉइन सिक्के खरीद लिए। इसके बाद एरिक की किस्मत ने उसका साथ दिया और उस एक सिक्के की कीमत 27 लाख रुपये हो गई।

जनता का एक-एक वोट गुंडों की छाती पर करेगा चोट : केशव

» भाजपा सरकार में राममंदिर बन रहा है तो गरीबों को पक्का मकान भी

» सिराथू में डिप्टी सीएम ने विपक्षी दलों पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सिराथू में आयोजित सभा में कहा कि जनता का एक-एक वोट सौ-सौ गुंडों की छाती पर चोट करेगा। आपने कमल के फूल का बटन दबाया तो बिना किसी की गरदन दबाए ये गुंडे रास्ते पर आ जाएंगे। यूपी विधानसभा चुनाव में कमल का फूल बहुत आगे चल रहा है। सपा, बसपा, कांग्रेस के हाथ-पांव फूल रहे हैं। 10 मार्च के बाद हम 300 से ज्यादा सीटें जीतकर ला रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से समाजवादी पार्टी ने पूरे उत्तर प्रदेश को आराजकता की आग में झोंकने का काम किया था। गुंडे, अपराधी और माफिया जैसे लगता था कि सब उनका हो गया है। कोई शरीफ आदमी की सुनने वाला नहीं था। ऐसी स्थितियों से हम यूपी को बाहर निकालकर लाए। उन्होंने सिराथू के लोगों से कहा कि हमारी दूसरी पारी में सरकार और प्रशासन के पास आपको नहीं जाना पड़ेगा। सरकार और प्रशासन आपके गांव में आएगा। डिप्टी सीएम ने सिराथू की जनता को याद दिलाया कि 2012 आप सबको याद है।

सिराथू जैसी विधानसभा में कमल का फूल खिलना पत्थर में दूब उगाने के समान था। आप सबने अपना आशीर्वाद और समर्थन मुझे दिया। आपने मुझे विधान सभा में भेजा। उन्होंने कहा कि मैं सिराथू का नेता नहीं बेटा हूं, सिराथू मेरा परिवार है। आप सभी से कहने आया हूं कि सिराथू में हो रहे विकास को रुकने नहीं दूंगा। उन्होंने कहा कि 10 मार्च को 11 बजे नकारात्मक राजनीति करने वाले विपक्ष को हराकर फिर एक बार बीजेपी सरकार के लिए लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे है। उन्होंने कहा कि हम विरोधियों को कहना चाहते हैं कि रामलला की जन्मभूमि पर मंदिर ही नहीं बनाते हैं। गरीबों के लिए पक्का मकान भी बनवाते हैं। गरीब जिनके पास कोरोना में खाने के लिए राशन की कमी थी। सरकारी खजाने का मुंह खोल दिया और दो साल से फ्री राशन देने का काम करते हैं। महिलाओं के लिए शौचालय बनवाते हैं।

विपक्ष का काम समाज को बांटना : अपर्णा

बाराबंकी। भाजपा नेता अपर्णा यादव ने कहा कि विपक्ष का काम समाज को बांटना है और जनता नहीं मानती है तो गुंडागर्दी फैलाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ राष्ट्रवाद की बात करते हैं, यादव, ठाकुर, ब्राह्मण कुछ भी हो राष्ट्रवाद को पहले रखना। उन्होंने कहा कि यूपी में दुराचारी और दुष्ट घूम रहे हैं, उनके खात्मे के लिए योगी सरकार बनाने का संकल्प लेकर जाएं। बिना किसी का नाम लिए उन्होंने कहा कि मोदी और बीजेपी का टीका बताने वाले जब बीमार हुए तो चुपके से जाकर कोरोना का टीका लगवा आए। लोग मुझसे पूछते है कि आपने भाजपा क्यों ज्वाइन की तो मैंने जवाब दिया कि जिस पार्टी ने देश का गौरव बढ़ाया, देश को समर्थ बनाने का काम किया। जो पार्टी सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास पर कार्य कर रही हो यही सब देख भाजपा ज्वाइन की। पंजे का इस्तेमाल करना, साइकिल पर बैठकर जाना परंतु वोट भाजपा को देना।

आज थम जाएगा चुनाव प्रचार, कई दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» पांचवें चरण में 61 सीटों पर 693 प्रत्याशी आजमा रहे किस्मत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सात चरणों में होने वाले चुनाव जैसे-जैसे आगे बढ़ रहे हैं, नेताओं के हमले भी एक दूसरे पर तेज हो रहे हैं। पांचवें चरण का प्रचार आज शाम को थम जाएगा। इस चरण में अवध और पूर्वांचल के 11 जिलों की 61 सीटें दांव पर हैं। इनमें अयोध्या भी शामिल है, जहां राममंदिर का निर्माण एक अहम मुद्दा है। 693 प्रत्याशी किस्मत आजमा रहे हैं।

अवध और पूर्वांचल के जिन जिलों में 27 फरवरी को मतदान होना हैं उनमें अमेठी, अयोध्या, सुल्तानपुर, चित्रकूट, बहराइच, श्रावस्ती, बाराबंकी, प्रतापगढ़, प्रयागराज, कौशांबी और गोंडा शामिल हैं। प्रदेश के इस हिस्से को भाजपा का मजबूत गढ़ माना जाता है। 2017 में भाजपा ने यहां की 47 और सहयोगी अपना दल ने तीन सीटें जीती थीं। पांच सीटें बसपा, तीन सपा और एक सीट कांग्रेस के खाते में गई थी। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, इलाहाबाद पश्चिम से कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह, इलाहाबाद दक्षिण से नंद गोपाल नंदी, प्रतापगढ़ की पट्टी सीट से मोती सिंह जैसे मंत्रियों की प्रतिष्ठा दांव पर है। पूर्व मंत्रियों अवधेश प्रसाद, तेजनारायण पांडेय उर्फ पवन पांडेय, कुंडा से रघुराज प्रताप सिंह मुख्य हैं।

हम युवाओं को मोबाइल नहीं रोजगार देंगे : सतीश चंद्र

» बसपा के कार्यकाल में ही हुआ प्रदेश का विकास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा ने जनसभा को संबोधित करते हुए प्रदेश में बसपा की सरकार बनने का दावा किया। जिले में कीडगंज और अल्लापुर में आयोजित जनसभा में सतीश चंद्र मिश्रा ने कहा कि प्रदेश में अबतक हुए चार चरणों के मतदान में बहुजन समाज पार्टी सबसे आगे चल रही हैं और सबको अचंभित करते हुए दस मार्च को पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने विकास के नाम पर प्रदेश का विनाश किया है। भाजपा ने अपने पांच साल के कार्यकाल में युवाओं को रोजगार देने के बजाए लाठियां ही दी है। उन्होंने कोरोना काल का जिक्र करते हुए कहा कि प्रयागराज के गंगा तट पर जो लाशें दफनाई गईं और

गंगा में जो लाशें बहाई गईं वह भयावह दृश्य जीवन भर कोई नहीं भूल पाएगा। उन्होंने कहा कि प्रयागराज देश की पहचान है। गंगा यमुना और सरस्वती से निकला संदेश पूरे देश तक जाता है। प्रयागराज की जनता ने फैसला कर लिया है कि वह नौजवान महिला और किसानों के हित के लिए बसपा को जिताएंगे। सतीश ने भाजपा व सपा नेताओं के दलितों के घर खाना खाने को दिखावा बताया। बहुजन समाज पार्टी गरीब की झोपड़ी में खाना खाने के बजाय उन्हें पक्के मकान देने में विश्वास करती है। बसपा के कार्यकाल में ही प्रदेश का विकास हुआ है। हम मोबाइल नहीं रोजगार देंगे।

राजीव शुक्ला ने जारी किया कांग्रेस का प्रचार गीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व केंद्रीय मंत्री व कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य राजीव शुक्ला ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश महासचिव शरद मिश्रा द्वारा तैयार कराए गए कांग्रेस के तीन प्रचार गीतों को जारी किया। इनमें एक गीत 'लड़की हूं लड़ सकती हूं' अभियान पर, एक कांग्रेस के वचन निभाने के वादे पर व एक गीत महंगाई को लेकर है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी लड़कियों व महिलाओं की सुरक्षा की पक्षधर है। हम रोजगार देने के लिए वचनबद्ध हैं, किसानों का कर्ज माफ करने, बिजली का बिल आधा करने का संकल्प ही विकल्प है। चुनाव इन्हीं मुद्दों पर लड़े जाएं यही जनता के हित में होगा। कांग्रेस पार्टी इस विधानसभा चुनाव में जातिवाद व संप्रदायवाद के जहर से प्रदेश को मुक्त कराने के संकल्प के साथ गरीबों व शोषितों की लड़ाई लड़ रही है।

बागपत में छात्रा की हत्या कोतवाली पहुंचा आरोपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» प्रेम-प्रसंग का बताया जा रहा मामला

बागपत। बागपत में एक सिरफिरे ने छात्रा दीपा की हत्या कर दी और रक्त रंजित चाकू लेकर कोतवाली पहुंचा। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

हर रोज की तरह रिंकू गुरुवार को सुबह ठेली लगाकर छोली-कुलचे बेच रहा था। अचानक वह ठेली से चाकू लेकर गया और यमुना रोड पर छात्रा दीपा की गर्दन रेत दी। उसके बाद वह चाकू लेकर कोतवाली पहुंच गया। आरोपित रिंकू का कहना है कि उसका आठ वर्षों से दीपा से प्रेम प्रसंग था। कई दिनों से दीपा का व्यवहार बदल गया था। उसका एक अन्य युवक से प्रेम प्रसंग हो गया था। यह उसे पसंद नहीं था। समझाने के बाद भी दीपा नहीं मानी। वह चार दिन से बहुत परेशान था। एक युवक के गुरुवार को सुबह जानकारी देने पर उसने मोबाइल पर बात की तो दीपा ने उससे संबंध रखने से इंकार कर दिया था। यह उसे नागवार गुजरा और दीपा का कत्ल कर दिया। दीपा ने बहुत ही हिम्मत से रिंकू का मुकाबला किया। चाकू का गर्दन पर वार रोकने के लिए हाथ आगे किया तो हाथ कट गया। हाथापाई में माथे पर भी चाकू लगा। लोगों की भीड़ यह नजारा देखती रही। किसी ने भी आगे आने की हिम्मत नहीं दिखाई। दीपा की भांजी नंदनी ने शोर मचाया तो युवक लोगों को देख खुद ही वहां से चला गया। यह घटना पड़ोस में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद होना बताई जा रही है। पुलिस जल्दबाजी में मकान से डीबीआर लेकर चली गई।

शोपियां मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने मार गिराए दो आतंकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। दक्षिण कश्मीर के जिला शोपियां के अमशीपोरा गांव में आज सुबह सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच शुरू हुई मुठभेड़ में दो आतंकवादियों को मार गिराया गया। इलाके में और आतंकवादियों की मौजूदगी की आशंका के चलते सर्च ऑपरेशन चलाया गया है। हालांकि मुठभेड़ स्थल से दोनों आतंकवादियों के शवों के अलावा भारी मात्रा में हथियार गोलाबारूद व कुछ आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद हुई है।

» भारी मात्रा में हथियार बरामद

आज सुबह अमशीपोरा गांव में दो से तीन आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिलने के बाद सेना, पुलिस और सीआरपीएफ के संयुक्त दल ने इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया। गांव की घेराबंदी करने के बाद जब सुरक्षाकर्मी घरों की तलाशी ले रहे थे, तभी संदिग्ध जगह पर छिपे इन दोनों आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने भी फायरिंग की। स्थानीय सूत्रों के अनुसार मारे गए दोनों आतंकी स्थानीय और इनका संबंध लश्कर-ए-तैयबा से बताया जा रहा है।

तो योगी को उनके ही गढ़ में दरकिनार कर दिया भाजपा ने!

» गोरखपुर में पोस्टर से योगी की तस्वीर गायब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे सवाल

लखनऊ। भाजपा में फोटो को लेकर घमासान जारी है। मोदी और शाह के व्यूह रचना में योगी आदित्यनाथ फंस गए। उन्हें पहले गोरखपुर से चुनाव लड़ने भेजा गया और अब गोरखपुर में जो होर्डिंग्स लगे हैं उसमें मोदी की तस्वीर है लेकिन योगी की नहीं है। यह गोरखपुर में चर्चा का विषय बन गयी है। सवाल यह उठता है कि ठीक चुनाव के समय ऐसा क्यों किया गया? क्या योगी के साथ भाजपा कोई बड़ा खेल करने वाली है? ऐसे कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े, किसान नेता आनंद राय, रविकांत, प्रबल प्रताप शाही, विकास जैन, लेखक सीपी राय और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली लंबी परिचर्चा में।

आनंद राय ने कहा, गोरखपुर शहर में लगे पोस्टर में योगी आदित्यनाथ की तस्वीर नहीं है। योगी जी को दूसरा कल्याण सिंह बनाने की तैयारी की जा रही है। जो कार्यकर्ता सत्ता का सुख नहीं ले सके हैं तस्वीर नहीं देखकर निराश है। प्रबल प्रताप सिंह ने कहा, इतिहास दोहरा रहा है। 2002 में यही योगी जी शिव प्रताप शुक्ल के खिलाफ अपने कंडीडेट राधा मोहन अग्रवाल को चुनाव मैदान में उतारकर जीता दिया था। आज बीस साल बाद केंद्रीय नेतृत्व योगी को आउट करने में लगा है। विकास जैन ने कहा, मोदी के पोस्टरों को फाड़ दिया गया है। केंद्रीय नेतृत्व कुछ भी कर सकते हैं। लालकृष्ण आडवाणी, उमा भारती के बाद अगला निशाना योगी हो सकते हैं। सीपी राय ने कहा, हार कोई भी सकता है। कल्याण सिंह का परिणाम आपने देखा। योगी का संगठन भी निराश है। अशोक वानखेड़े ने कहा, राधा मोहन अग्रवाल को दरकिनार नहीं किया जा सकता है। वे अकेले चुनाव लड़कर जीत चुके हैं। रविकांत ने कहा, तीसरे चरण के चुनाव के बाद से ही भाजपा योगी के नाम के बिना चुनाव लड़ेगी।

परिचर्चा

रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

4पीएम यूट्यूब चैनल को बंद करना प्रतिशोध भरी कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

राजेश बादल
वरिष्ठ पत्रकार

» संचार उपकरणों से मौलिक अधिकारों को कुचलने की हो रही साजिश

» 4पीएम के संपादक संजय शर्मा की ताबड़तोड़ कार्रवाई से चैनल की हो रही बहाली

लखनऊ। खबर विचलित करने वाली है। उत्तर प्रदेश में विधान सभा चुनाव के बीच में वहां का एक सर्वाधिक लोकप्रिय खबरिया समूह '4पीएम' के यूट्यूब चैनल अचानक परदे से विलुप्त हो गया। तीन लाख से अधिक सबस्क्राइबर्स वाला यह चैनल अपने जन्म से ही धारदार समाचार विश्लेषण और वरिष्ठ पत्रकारों की बेबाक बयानी के लिए जाना जाता है। मौजूदा चुनाव में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और विपक्षी समाजवादी गठबंधन तथा कांग्रेस की असल स्थिति को यह चैनल बड़ी निष्पक्षता से प्रस्तुत कर रहा था। देखते ही देखते किसी शो की दर्शक संख्या लाखों को पार कर जाए तो उसकी जिम्मेदारी और परिपक्वता का अनुमान लगाया जा सकता है ।

चैनल के संपादक संजय शर्मा कहते हैं कि इसके पीछे यकीनन पेशेवर हैकर्स अथवा यूट्यूब चैनल के प्रबंधन का हाथ है। पिछले तीन चरणों के मतदान का इस चैनल का सार यह था कि समाजवादी पार्टी बढ़त बना चुकी है और बीजेपी घाटे में है। संजय के मुताबिक, उन्होंने मामले की एफआईआर करा दी है और यूट्यूब को नोटिस भेजा है। संदेह है कि कहीं इस चैनल को बंद करने के पीछे सत्तारूढ़ दल या सरकार का हाथ तो नहीं है। संपादक संजय शर्मा की ताबड़तोड़ कार्रवाई का अंजाम यह निकला कि चैनल की चरणबद्ध बहाली हो रही है। एक-एक करके पुराने शो और विश्लेषण दर्शक देखने लगे हैं। संजय शर्मा को मीडिया के तमाम वर्गों से भरपूर समर्थन मिला। जैसी कि '4पीएम' के संपादक को आशंका है कि इस मामले में उस व्यवस्था का हाथ हो सकता है, जो उनके चैनल से प्रसन्न नहीं है। दरअसल, चैनल बंद होने से बीजेपी और सरकार की किरकिरी हुई। चुनाव के दौरान निष्पक्ष पत्रकारिता पर आक्रमण हो और सरकार चुप्पी साधे रहे, तो अनेक संदेह जन्म लेते हैं। सवाल यह भी उठता है कि आम नागरिक की तरह पत्रकारों को मिली अभिव्यक्ति की आजादी उन्हें हासिल है या नहीं? संचार के आधुनिक उपकरणों ने एक ओर काम में कुछ सहूलियतें प्रदान की हैं, वहीं मौलिक अधिकारों को कुचलने की साजिशों में भी उनकी मदद ली जा रही है। कारोबारी होड़ हो तो बात समझ में आती है, लेकिन विचार की स्वतंत्रता के खिलाफ सियासी षड्यंत्र सभ्य लोकतंत्र में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव भारतीय राजनीति के नजरिये से हमेशा ही बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। सरकारें इन चुनावों में अपनी स्थिति को मजबूत बनाए रखने के लिए नाना प्रकार की तिकड़में करती हैं। आशंका उपजती है कि आने वाले लोकसभा चुनावों में निष्पक्ष पत्रकारिता पर दबाव डालने की कोशिशें हो सकती हैं। चूंकि केंद्र में सरकार बनाने का रास्ता उत्तर प्रदेश होकर ही जाता है, इसलिए इस राज्य में हिंदी पत्रकारिता की चुनौतियों का आकार विकराल होगा। विडंबना है कि जिस प्रदेश ने पत्रकारिता के कई गौरवशाली अध्याय लिखे, वह आज उत्पीड़न की चपेट में है। इसे गंभीरता से लेने की जिम्मेदारी किसकी है मिस्टर मीडिया!

जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा की कार दुर्घटनाग्रस्त

» किसी को नहीं पहुंची चोट बनारस से जा रहे थे गाजीपुर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा की कार आज सुबह वाराणसी में दुर्घटना ग्रस्त हो गई। संयोग अच्छा रहा कि हादसे में उप राज्यपाल कोई चोट नहीं पहुंची। उप राज्यपाल मनोज सिन्हा वाराणसी से अपने गृहनगर गाजीपुर जा रहे थे। राजघाट पुल (मालवीय ब्रिज) के ढलान पर लगाए गए लोहे के पिलर से उनकी कार की टक्कर हो गई।

लोहे के पिलर के बीच से वाहन निकालने के चक्कर में गाड़ी का बायां हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। कार का एक चक्का पंक्चर भी हो गया। पिकेट पर तैनात पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुंच गए। मौके पर सीओ अनिल राय, मुगलसराय इंस्पेक्टर बृजेश तिवारी भी पहुंच गए। उप राज्यपाल को दूसरी गाड़ी में बैठाकर गंतव्य की ओर रवाना किया गया। इस दौरान थोड़ी देर के लिए अफरातफरी की स्थिति रही। रामनगर थाना प्रभारी निरीक्षक अश्विनी पांडेय ने बताया कि हादसे में किसी को चोट नहीं लगी है। उप राज्यपाल मनोज सिन्हा को गाजीपुर के जमानियां, मुहम्मदाबाद समेत अलग अलग विधानसभा क्षेत्रों में निर्धारित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। गहमर के कामाख्या धाम मंदिर में पूजा अर्चना करेंगे तो प्रबुद्धजनों से मुलाकात करेंगे।

यूपी में भाजपा को जनता दे रही समर्थन : नड्डा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» तीन सौ सीटों से अधिक मिलेंगी सीटें

» सपा और कांग्रेस पर साधा निशाना

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा है कि भाजपा चार राज्यों में चुनाव जीतकर आएगी। इन राज्यों में प्रो इनकंबेंसी है। जनता भाजपा की सरकार को समर्थन दे रही है। उत्तर प्रदेश में 300 से ज्यादा सीटें जीतेंगे। जनधन, सौभाग्य और उज्जवला योजना सबको ताकत दे रही है। पंजाब में उन्होंने भाजपा के अच्छे प्रदर्शन की बात कही और बताया कि राज्य में किसी को भी बहुमत नहीं मिलेगा। भाजपा अकाली दल के साथ समझौता करने के इच्छुक नहीं है।

उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि अखिलेश की राजनीतिक समझ सीमित है और सपा ने वोट बैंक और ध्रुवीकरण की राजनीति की है। अखिलेश ने आतंकी को बचाने और छुड़ाने का काम किया। सपा की साइकिल बम वाली है। चुनाव के बाद सपा-रालोद एक-दूसरे को दोष देंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव में विपक्ष भारत भ्रमण पर निकलता है। साथ ही कहा कि विपक्षी पार्टियां परिवार के लिए समझौता करती हैं। भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाए कि विपक्ष देश के साथ समझौता करने के लिए तैयार है। यूपी में सपा सरकार में 500 दंगे हुए और सुप्रीम कोर्ट ने सपा सरकार को मूकदर्शक बताया था। करहल में मुलायम को उतारना पड़ा और अखिलेश के लिए करहल की सीट फंसी हुई है। अखिलेश घबराए हुए हैं। उन्होंने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर आतंकियों का साथ लेने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल आतंकियों से फंडिंग मिलने से इंकार नहीं करते। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा यूपी के लोगों को भैया बताने पर तालियां बजाती हैं।

यूक्रेन सीमा पर फंसे भारतीयों के लिए पहुंची मदद

सरकार ने जारी किए नंबर, रूस के राष्ट्रपति के सामने पीएम मोदी ने भारतीयों की सुरक्षा का उठाया था मुद्दा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूक्रेन पर रूसी हमले के बीच भारत सरकार लगातार अपने नागरिकों को यूक्रेन से निकालने के प्रयास कर रही है। आज विदेश मंत्रालय की तरफ से सरकार की टीमों की जानकारी साझा की गई है, जो भारतीय नागरिकों की मदद के लिए हंगरी, पोलैंड, स्लोवाकिया और रोमानिया में काम कर रही हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी भारतीय नागरिकों और खासतौर से छात्रों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया था।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने मंत्रालय की टीमों की जानकारी साझा की हैं। उन्होंने लिखा, 'यूक्रेन से भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए हंगरी, पोलैंड, स्लोवाकिया और रोमानिया में भारतीय दूतावास की टीमें यूक्रेन से सटी भूमि सीमाओं पर पहुंच रही हैं। यूक्रेन में सीमा पर मौजूद भारतीय नागरिक इन दलों से संपर्क कर सकते हैं। यूक्रेन में फंसे हुए भारतीय छात्रों की मदद के लिए भारत सरकार ने 24 घंटे हेल्पालाइन नंबर की शुरुआत की है। इसके लिए दिल्ली में कंट्रोल रूम सेट किया है। सरकार की तरफ से +911123012113, +911123914104, +911123017905 और 1800118797 नंबर जारी किए गए हैं।

यूक्रेन में फंसे लखीमपुर के दो छात्र बोले, रुक-रुककर हो रही है बमबारी

लखीमपुर खीरी। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद वहां पढ़ाई कर रहे भारतीय छात्र सहमे हुए हैं। देश के कई राज्यों के साथ यूपी के लखीमपुर खीरी के दो छात्र यूक्रेन में फंसे हुए हैं। इनमें से एक छात्रा खीरी कस्बे के सय्यद बारा की निवासी है, जिसका नाम उम्मी खातून है, उम्मी खातू पोलतावा स्टेट मेडिकल कॉलेज में 4 वर्षों से एमबीबीएस कर रही है। वहीं जिले की महम्मदी के सेमरा जानीपुर के निवासी आलोक सिंह भी यूक्रेन में रहकर ओडिशा यूनिवर्सिटी से पढ़ाई कर रहे हैं। अलोक सिंह ने वीडियो काल करके भारत सरकार से मदद की गुहार लगाई है। उनका कहना है कि यूक्रेन में दहशत का माहौल है और यहां रूक-रूक कर बमबारी हो रही है।

जनता तय करेगी यूपी में किसकी सरकार बनेगी : भगवंत मान

» आम आदमी पार्टी के सांसद मान पहुंचे वाराणसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। आम आदमी पार्टी के सांसद भगवंत मान आज वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंचे। पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में उन्होंने कहा कि यूपी चुनाव में किसकी सरकार बनेगी यह जनता तय करेगी। हम तो दिल्ली मॉडल को लेकर यूपी, पंजाब, उत्तराखंड में जनता के समर्थन मांग रहे हैं।

आम आदमी पार्टी के स्टार प्रचारक और पंजाब में मुख्यमंत्री पद के दावेदार सांसद भगवंत मान कल 25 फरवरी को वाराणसी में पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल बनाने के लिये एक दिवसीय दौरे पर आए हैं। यहां दक्षिणी विधान सभा के प्रत्याशी अजीत सिंह के समर्थन में दो सभा को संबोधित करेंगे और साथ ही उत्तरी विधानसभा प्रत्याशी डॉ. आशीष जायसवाल के समर्थन में रोड शो करेंगें। वे पंचगंगा घाट के समीप सभा को संबोधित करेंगें। सभा के बाद पांडेयपुर स्थित मुंशी प्रेमचंद के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर रोड शो में शामिल होंगें और कचहरी स्थित अम्बेडकर पार्क में आम्बेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर रोड शो की समाप्ति होंगी। फिर शाम को नीचीबाग में सभा को संबोधित करेंगें। भगवंत मान के साथ चुनाव प्रभारी अभिनव राय भी उपस्थित रहेंगें।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।